• सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित • website-https://vindhyatiger.in • epaper-https://epaper.vindhyatiger.in • वर्ष : 36, अंक 314, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरूवार, 02 जनवरी 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

केजरीवाल ने लिखा मोहन भागवत को पत्र 5

अभिषेक शर्मा ने बनाये 170 रन 6

नए साल पर किसानों को मोदी सरकार का तोहफा, डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाने का एलान

नई दिल्ली। नए साल के पहले दिन मोदी सरकार ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दते हुए डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाने का एलान किया है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि डीएपी उर्वरक के लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज को कैबिनेट की मंजूरी दे दी है। इससे 50 किलोग्राम का डीएपी का बैग 1,350 रुपये में ही मिलता रहेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि नए साल का पहला फैसला करोड़ों किसान भाई-बहनों को समर्पित है।

पिछले साल केंद्र सरकार ने एक अप्रैल से 31 दिसंबर, 2024 तक के लिए 3,500 रुपये प्रति टन के हिसाब से डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) पर 2,625 करोड़ रुपये का एकबारगी विशेष

पैकेज देने की घोषणा की थी। यह पैकेज गैर-यूरिया पोषक तत्वों पर सरकार की तरफ से तय पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी (एनबीएस) के अतिरिक्त था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस विशेष पैकेज को एक जनवरी, 2025 से अगले आदेश तक की अवधि के लिए बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसमें डीएपी पर 3,500 रुपये प्रति टन की दर से सब्सिडी देने का प्रावधान है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। डीएपी पर विशेष पैकेज पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी के अलावा दिया जाएगा ताकि किसानों को सस्ते दाम पर डीएपी उर्वरक उपलब्ध कराई जा सके। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि किसानों को 1,350 रुपये प्रति बोरी की दर से डीएपी उर्वरक मिलती रहेगी और इस पर पड़ने वाला अतिरिक्त बोझ केंद्र सरकार वहन करेगी।

उन्होंने कहा, 'डीएपी के लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक चिंताओं के कारण डीएपी की वैश्विक बाजार कीमतें अस्थिर हैं। केंद्र सरकार उर्वरक निर्माताओं/ आयातकों के जरिये किसानों को सब्सिडी मूल्य पर 28 तरह के पीएंडके उर्वरक मुहैया कराती है। इन उर्वरकों पर सब्सिडी का निर्धारण एनबीएस योजना के तहत होता है जो एक अप्रैल, 2010 से प्रभावी है।

पीएम फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को कैबिनेट ने 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। 2021-22 से 2025-26 तक योजना पर 69,515.71 करोड़ का कुल व्यय होगा। कैबिनेट ने नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए फंड के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। 824.77 करोड़ प्रोफाइल फंड का उपयोग योजना के तहत तकनीकी पहलों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कैबिनेट ने राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के जरिये इंडोनेशिया को 10 लाख टन गैर बासमती चावल के निर्यात को भी मंजूरी दी है। यह निर्यात एनसीईएल, सहकारिता मंत्रालय और इंडोनेशियाई सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन के तहत किया जाएगा।

अमेरिका के लुइसियाना में नए साल जश्न पर आतंकी हमला

न्यू आर्लीन्स। अमेरिका के लुइसियाना राज्य के न्यू आर्लीन्स में एक वाहन भीड़ में घुस गया, जिससे दस लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घटना बोर्बन स्ट्रीट पर नए साल के जश्न के दौरान हुई। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हवाले से कहा, पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद न्यू आर्लीन्स की घटना का संदिग्ध मारा गया। न्यू आर्लीन्स पुलिस ने कहा कि वह इस भीषण हादसे से निपट रहे हैं। एक कार ने कथित तौर पर लोगों को कुचला। न्यू आर्लीन्स के मेयर लाटोया कैंट्रेल ने इसे आतंकवादी हमला कहा है। मीडिया से बातचीत में कैंट्रेल ने कहा, हमें पता है कि न्यू आरलीन्स शहर पर आतंकवादी हमला हुआ है। घटना की जांच चल रही है। वहीं, मेयर के बयान के कुछ समय बाद एफबीआई एजेंट ने मीडिया से कहा कि यह कोई आतंकवादी घटना है या नहीं इसकी जांच चल रही है।

सीएम ने परिवार के साथ पचमढ़ी में मनाया नया साल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नए साल का स्वागत पचमढ़ी में अपने परिवार के साथ किया। वे छुट्टियां मनाने के लिए परिवार के साथ पचमढ़ी पहुंचे। मंगलवार को साल के आखिरी दिन, डॉ. यादव अपनी पत्नी के साथ मढ़ई पहुंचे, जहां उनका स्वागत नर्मदापुरम कमिश्नर केजी तिवारी और कलेक्टर सोनिया मीना ने कामती रंगपुर स्थित हेलीपैड पर किया। मुख्यमंत्री ने मढ़ई में बोट पर बैठकर तवा नदी का बैकवाटर पार किया और यहां कुछ देर ठहरने के बाद पचमढ़ी के लिए रवाना हुए। पचमढ़ी में उनके रात्रि विश्राम के लिए मुख्यमंत्री निवास रविशंकर भवन और एमपीटी की नीलांबर होटल में व्यवस्था की गई थी। यह यात्रा मुख्यमंत्री के लिए विश्राम का मौका रही, क्योंकि इससे पहले छह दिसंबर को सीएम डॉ. यादव ने पचमढ़ी का दौरा किया था। उस दौरान उन्होंने महिलाओं द्वारा संचालित पिंक होटल (अमलतास होटल) का उद्घाटन किया था और पचमढ़ी को स्विटजरलैंड जैसा अनुभव बताया था। इस यात्रा के दौरान डॉ. यादव ने पचमढ़ी की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया और परिवार के साथ नए साल की शुरुआत की।

लोगों के अधिकारों के लिए पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा: ममता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को अपना 26वां स्थापना दिवस मनाया। पार्टी की स्थापना एक जनवरी 1998 को हुई थी। इस अवसर पर टीएमसी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के लोगों के अधिकारों के लिए पार्टी का संघर्ष जारी है और भविष्य में भी जारी रहेगा। ममता बनर्जी ने फेसबुक पर लिखा, सबसे पहले मैं आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। इसके साथ ही आज हमारी पार्टी का स्थापना दिवस भी है। इस वर्ष के स्थापना दिवस के अवसर पर मैं आपके साथ अपना लिखा और संगीतबद्ध किया एक गीत साझा कर रही हूं।

यह गीत प्रसिद्ध गायक इंद्रनील सेन ने गाया है। बंगाल के लोगों के अधिकारों के लिए हमारा संघर्ष जारी है और आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। जय हिंद! जय बांग्ला! वंदे मातरम! तृणमूल कांग्रेस जिंदाबाद! मां-माटी-मानुष जिंदाबाद। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने लिखा, टीएमसी देश और राज्य के लोगों के कल्याण के लिए समर्पित है। मैं सभी टीएमसी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और बलिदान को सलाम करता हूं। वे हमारी पार्टी की रीढ़ हैं। नए साल में, आइए भविष्य के संघर्षों के लिए नए जोश के साथ तैयारी करें।

1998 में स्थापित टीएमसी 2011 में वाम मोर्चा सरकार को हराने के बाद पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई थी। इससे पहले 2001 और 2006 के विधानसभा चुनावों में पार्टी को सफलता नहीं मिली थी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण शख्सियत ममता बनर्जी ने पार्टी को लगातार तीन बार सत्ता में पहुंचाया है, जिसमें 2021 के विधानसभा चुनावों में मिली शानदार जीत भी शामिल है।

255 नए सरकारी पदों को मंजूरी

अगरतला। त्रिपुरा कैबिनेट ने मंगलवार 255 नए सरकारी पदों को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बताया कि इनमें से 70 पद नए उपनिदेशक अभियोजन कार्यालयों के लिए होंगे, जो सात जिलों में खोले जाएंगे। सीएम साहा ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि हमारी सरकार नए साल में नौकरी के इच्छु उम्मीदवारों के लिए नए अवसर लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंत्रिपरिषद ने आज अच्छी संख्या में पद सृजित करने और अन्य रिक्त पदों को भरने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि वित्त विभाग के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों के 185 पद भी सृजित किए जाएंगे।

करोड़ों बहनों का प्यारा भाई बनना सबसे बड़ा सम्मान: शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने हाल ही में बीते महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की मुख्य कड़ी रही लाड़की बहिन योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाएं उन्हें अपना प्यारा भाई मानती हैं, जो उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। डिप्टी सीएम ने बात सोमवार रात ठाणे जिले के दिवा महोत्सव में दिया।

बता दें कि महाराष्ट्र में महिलाओं को वित्तीय सहायता देने के लिए शुरू की गई लाड़की बहिन योजना नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की बड़ी जीत में एक अहम कारण माना जाता है। यह योजना शिंदे के मुख्यमंत्री रहते शुरू की गई थी।

डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि मुझे गर्व है कि 2.40 करोड़ लाड़की बहिन ने मुझे अपना लड़का भाऊ (प्यारा भाई) माना है। यह मान्यता मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के विकास के लिए पूरा समर्थन देने का वादा किया है और पिछले ढाई साल में राज्य में जो प्रगति हुई, उसका श्रेय उन्होंने महायुति को दिया। साथ ही शिंदे ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें हमेशा जरूरी समर्थन दिया है, जिससे हम कई रुकी हुई परियोजनाओं को फिर से शुरू कर सके।

एकनाथ शिंदे ने अपने राजनीतिक सफर पर बात करते हुए मुख्यमंत्री के रूप में फडणवीस के समर्थन के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि अब उपमुख्यमंत्री के तौर पर मैं इस समर्थन का कर्ज चुकता कर रहा हूं। हम मिलकर महाराष्ट्र को अभूतपूर्व विकास की दिशा में ले जाएंगे। साथ ही शिंदे ने दिवा शहर के विकास की योजनाओं के बारे में भी बताया, जिसमें क्लस्टर विकास, बेहतर नागरिक सुविधाएं और मेट्रो कनेक्टिविटी जैसे कदम शामिल हैं।

नए साल में प्रदेश में कड़ाके की ठंड

भोपाल। नए साल के पहले दिन मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड देखने को मिली। प्रदेश की ज्यादातर हिस्सों में सुबह से कोहरा छाया रहा हालांकि दोपहर में धूप खिली रही, लेकिन ठंडी हवाओं के करण दिन में भी ठिठुरन रही। भोपाल, उज्जैन और शाजापुर में इतना घना कोहरा रहा कि 50 मीटर बाद कुछ नहीं दिखा। भोपाल में सुबह 9 बजे के बाद धूप निकाली। सागर, बालाघाट के मलाजखंड और दमोह में 200 से 500 मीटर तक विजिबिलिटी रही। वहीं, नर्मदापुरम, इंदौर, रायसेन में 500 से 1000 मीटर और ग्वालियर, राजगढ़, शिवपुरी, जबलपुर में 1-2 किमी की विजिबिलिटी रही।

हिंदू और बौद्ध मंदिरों को तोड़ने की योजना बना रही भाजपा: आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा, भाजपा की केंद्र सरकार दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हिंदू मंदिरों और बौद्ध मंदिरों को तोड़ने की योजना बना रही है। एक धार्मिक समिति है, जो मंदिरों को शिफ्ट करने या उन्हें तोड़ने के बारे में फैसला लेती है। यह दिल्ली सरकार के गृहमंत्री के अधीन आती थी। पिछले साल तक इस समिति के सभी फैसले पहले गृहमंत्री के सामने रखे जाते थे और उनकी मंजूरी के बाद ही कोई कार्रवाई की जाती थी, लेकिन पिछले साल दिल्ली के एलजी ने आदेश दिया कि किसी भी धार्मिक स्थल को तोड़ना कानून व्यवस्था का मामला है और इसलिए यह दिल्ली एलजी के अधीन आता है और इसलिए दिल्ली के सीएम या गृहमंत्री का इससे कोई लेना-देना नहीं है। आतिशी ने कह, अब धार्मिक समिति सीधे दिल्ली एलजी के अधीन है। समिति के अध्यक्ष गृह विभाग के प्रमुख सचिव होते हैं और वह समिति के सुझावों को मंजूरी के लिए सीधे दिल्ली एलजी को भेजते हैं।

रक्षा मंत्रालय ने 2025 को सुधारों का वर्ष घोषित किया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने 2025 को सुधारों का वर्ष घोषित किया है। मामले से जुड़े अधिकारी ने बताया कि 2025 में रक्षा मंत्रालय साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों और उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। मंत्रालय सैन्य क्षमता के तीव्र विकास के लिए अधिग्रहण प्रक्रियाओं को भी सरल और समयबद्ध बनाएगा। उन्होंने बताया कि रक्षा सुधार से एकीकृत सैन्य कमान की स्थापना में सुविधा होगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सुधारात्मक उपायों को सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत

और युद्ध के लिए तैयार ऐसे बल में बदलने के लिए लागू किया जाएगा, जो बहु-क्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम होगा। मंत्रालय ने कहा कि 2025 में साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, हाइपरसोनिक और रोबोटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सुधार का वर्ष सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह देश की रक्षा तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव रखेगा और इस प्रकार 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच राष्ट्र की सुरक्षा एवं संप्रभुता सुनिश्चित करने की तैयारी करेगा। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में 2025 को सुधार वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस बीच महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि भारत वैश्विक गठबंधनों में बदलाव के अवसर का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक क्षमता को बढ़ा सकता है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सिर्फ अपनी रक्षा करने के अलावा और भी बहुत कुछ करने की स्थिति में है। समूह के कर्मचारियों को नववर्ष के अपने संदेश में महिंद्रा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिकाधिक लेन-देन वाले बन सकते हैं, जो राष्ट्रीय हित तथा राष्ट्रीय ताकत के दम पर संचालित होंगे।

साल के पहले दिन रामनगरी में उमड़ा भक्तों का सैलाब

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या में नए साल का जश्न श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया।बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने नववर्ष की शुरुआत श्रीरामलला के आशीर्वाद से की। सरयू तट से श्रीरामलला के दरबार तक पूरा वातावरण जय-जय श्रीराम...से गूंजता रहा। कोहरे और ठंड पर आस्था भारी पड़ी। रामलला की मंगला आरती से शुरू हुआ दर्शन-पूजन का सिलसिला शयन आरती तक जारी रहा। देर शाम तक दो लाख से अधिक भक्तों ने हाजिरी लगाई। श्रद्धालुओं की श्रद्धा, भक्तिभाव और उत्साह का नजारा अयोध्या को आध्यात्मिकता का एक बड़ा केंद्र बना गया। सोने का मुकुट व रत्नजड़ित हरे वस्त्र में रामलला की मनमोहक छवि का दर्शन कर भक्त निहाल होते रहे। अयोध्या पहुंचे श्रद्धालुओं व पर्यटकों में रामलला के दर्शन की ललक रही। आलम यह रहा कि रामजन्मभूमि पथ से लेकर हनुमानगढ़ी तिराहे तक श्रद्धालुओं की करीब दो किलोमीटर लंबी लाइन लगी रही।

मुख्यमंत्री करेंगे 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ करेंगे। रवीन्द्र भवन भोपाल में 3 से 6 जनवरी 2025 के बीच 4 दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना और उन्हें विज्ञान, नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में योगदान करने के लिए प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह आयोजन बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और नवाचार के क्षेत्र में नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। मध्यप्रदेश को इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी करते हुए गर्व हो रहा है।

भारत और पाकिस्तान ने की परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच एक समझौते के तहत किया गया है। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे के परमाणु ठिकानों पर हमला करने से रोकता है और यह तीन दशकों से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि यह आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले को रोकने के समझौते के तहत किया गया। यह सूची नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ कूटनीतिक चैनलों के जरिए साझा की गई। भारत और पाकिस्तान के बीच इस सूची का आदान-प्रदान हर साल एक जनवरी को होता है और दोनों देशों को एक-दूसरे को सूचित करना होता है कि उनके परमाणु प्रतिष्ठान और सुविधाएं इस समझौते के दायरे में हैं। इस समझौते पर 31 दिसंबर 1988 को दोनों देशों ने हस्ताक्षर किए थे। 27 जनवरी 1991 को इसे लागू किया गया था। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि परमाणु युद्ध या हमले की संभावना को कम किया जा सके। भारत और पाकिस्तान के बीच यह 34वीं बार सूची का आदान-प्रदान हुआ। एक जनवरी 1992 से यह आदान-प्रदान लगातार हो रहा है।

महाकुंभ में आये संतों ने आतंकी पन्नू के जलाए पोस्टर

प्रयागराज

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह उर्फ पन्नू की धमकी के बाद महाकुंभ में आए संतों में जबरदस्त उबाल है। महाकुंभ मेले के सेक्टर-16 में अयोध्या छावनी के जगतगुरु आचार्य परमहंस जी महाराज के नेतृत्व में संतों ने आतंकी पन्नू का पोस्टर जलाया। उसके खिलाफ संतों ने जोरदार नारेबाजी की। स्वामी परमहंस जी महाराज बोले कि अगर आतंकी पन्नू महाकुंभ में दिखा तो उसे जिंदा जमीन में दबा देंगे।

संगम की रेती पर आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।

परमहंस महाराज बोले- महाकुंभ में दिखा तो जमीन में घुसा देंगे

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की धमकी के बाद सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। पिछले सप्ताह सुरक्षा का जिम्मा खुद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने ले लिया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि हर तरह की स्थिति में सभी सुरक्षा एजेंसियां तैयार हैं। बता दें कि सोमवार को यूपी के पीलीभीत जिले में तीन खालिस्तानी आतंकवादियों वीरेंद्र सिंह, गुरविंदर सिंह और जसनप्रीत सिंह के एनकाउंटर के बाद पन्नू ने अमेरिका से वीडियो जारी कर कहा कि वह इस घटना का बदला महाकुंभ में लेगा। उसने इस आयोजन को 'हिंदुओं का आखिरी महाकुंभ' बनाने और तीन शाही स्नानों (14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और 3 फरवरी को अंतिम शाही स्नान) को निशाना बनाने की धमकी दी थी। जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। यूपी पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां चप्पे-चप्पे की निगरानी कर रही हैं। ड्रोन और फेस रिकग्निशन कैमरों जैसी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

महाकुंभ मेले में सुरक्षा के सात स्तरीय इंतजाम किए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र में ड्रोन तैनात होंगे, जो हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। संवेदनशील इलाकों और प्रवेश द्वारों पर फेस रिकग्निशन तकनीक से लैस कैमरे लगाए गए हैं। संभावित साइबर हमलों को रोकने के लिए एक विशेष साइबर यूनिट काम कर रही है। एनएसजी और एटीएस की विशेष टीमें तैनात रहेंगी। जल, थल और वायु सुरक्षा में नदियों में गश्त के लिए स्पेशल बोट और वायुसेना के हेलिकॉप्टरों को तैनात किया गया है। महाकुंभ में आने वाले विदेशी मेहमानों के लिए भी खास इंतजाम हैं।

हैप्पी न्यू ईयर 2025 का हुआ जोरदार स्वागत

नव वर्ष को लेकर पिकनिक स्थल व पार्क रहे गुलजार

माड़ा समेत अन्य पर्यटक स्थलों पर उमड़ा हुजूम,डीजे पर थिरके युवा

नया वर्ष में सुख,समृद्धि व शांति के लिए लोगो ने मंदिरों में पहुंच टेका माथा

सिंगरौली

हैप्पी न्यू ईयर 2025 के आगमन और साल अच्छे से गुजरे साल के स्वागत को लेकर जिले के पर्यटक स्थलों से लेकर पार्कों में खुमारियों की भीड़ उमड़ी रही। नव वर्ष की खुमारी को लेकर पिकनिक स्थल गुलजार रहे। वहीं नव वर्ष सुख समृद्धि और खुशहाली लेकर आए मंदिरों में लोगो ने माथा टेकते हुए ईश्वर से प्रार्थना की। इसके साथ पिकनिक व पार्कों में युवाओं की टोली डीजे पर न्यू ईयर का सांग लगाकर जमकर थिरके।

नव वर्ष की खुमारी युवाओं के सिर चढ़कर बोल रही थी। हाय हलो,हैप्पी न्यू ईयर के रंग में युवा रंगे हुए दिखाई दिए। नव वर्ष को लेकर पिकनिक स्पॉट के साथ-साथ पार्क गुलजार दिखाई दिए। वहीं नूतन वर्ष खुशियां लेकर आए। सुख,समृद्धि बढ़े इसके लिए मंदिरो में भगवान भोलेनाथ से मन्नत मांगते हुए दिखाई दिए। वर्ष 2024 को अलविदा करने के साथ रविवार रात 12 बजे बाद युवा नए साल 2025 के स्वागत में मस्त रहे। नाच गानो से शहर के कई ईलाके गूंज उठे। घड़ी के कांटे जैसे ही 12 पर एक हुए आतिशबाजी के साथ संगीत की तेज धुनों पर युवा थिरक पड़े। इनमें बच्चों से लेकर महिलाएं भी शामिल थी। इसके साथ ही सोशल साइट से शुभकामना संदेश आदान-प्रदान का दौर भी चल पड़ा। बुधवार को नव वर्ष के पहले दिन जिले के विभिन्न पिकनिक स्पॉट जश्न मनाने वालों से आबाद रहे। कई लोगों ने एक दूसरे से शुभकामनाएं दी। पिकनिक स्पॉट पर गत साल की अपेक्षा भीड़ ज्यादा देखी गई। पिकनिक स्पॉट पर लोग नव वर्ष का जश्न मनाते देखे गए। माड़ा के जंगल व पहाड़ो पर पहुंचकर नये साल का जश्न मनाया। वहीं माड़ा की गुफाओं की कला व प्रकृति का भरपूर आनंद उठाया।

पुलिस की रही चौक चौबंद व्यवस्था

पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने नये वर्ष 2024 को मद्देनजर रखते हुए चाक चौबंद व्यवस्था के लिए सभी थाना व चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया हुआ था। जिसके परिपालन में सभी थाना व चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में पिकनिक स्थलों व पार्कों पर भ्रमण कर लगातार नजर बनाए हुए थे। पिकनिक स्पाट पर जाम न छलके ,इसके मद्देनजर जयंत पुलिस ने रोज गार्डन,विन्ध्यनगर पुलिस ने लेक पार्क के साथ-साथ मोरवा पुलिस व माड़ा पुलिस ने चाक चौबंद व्यवस्था की थी।

मंदिरों में माथा टेकने पहुंचे श्रद्धालु

मां ज्वालामुखी के मंदिर में नववर्ष पर भक्तों का जमावड़ा रहा। वही हुनमान मंदिर बैढन,शिव मंदिर पचौर और हनुमान मंदिर औड़ी,दुर्घटा देवी मंदिर बरगवां समेत निगाही के अरविंद सर मंदिर में दिनभर श्रद्धालुओं ने पहुंचकर दर्शन कर माथा टेका और मन्नत मांगी नया वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो।

पार्को में रही धूम

जहां दूर तक पत्थरों की विभिन्न प्रकार की आकृति दिखाई देती है,वहीं माड़ा में जलजला देवी के पास झरिया की कल कर बहती धारा एवं पत्थरों की अनोखी खूबसूरती इंसान को अपनी ओर खींच लाती है लेकिन मूलभूत सुविधाओं के अभाव की वजह से आज भी मनोरम स्थल पर्यटकों से अछूता है। हलांकि नए साल पर युवा पिकनिक मनाने के लिए यहां जुट ही जाते हैं। प्रकृति के मनोहर दृश्य को देखने के लिए भले ही पर्यटक नहीं आते हैं लेकिन इसकी सौंदर्यता अत्यंत ही मनोरम है और प्रकृति ने इस खूबसूरत स्थल को ऐसे सजाया है जैसे हजारों कारीगरों ने मिलकर बनाया है।

एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा 10 कर्मचारियों के सेवानिवृत होने पर दी गई भावभीनी विदाई

सिंगरौली

एनटीपीसी-विंध्याचल परियोजना मे बीते 31 दिसम्बर को अपनी दीर्घ सेवा देने के पश्चात कुल 10 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। एनटीपीसी-विंध्याचल प्रबंधन द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों का सम्मान परियोजना के उमंग भवन के सभागार में किया गया। स्वागत की कड़ी में कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार एवं महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) संजीब कुमार साहा नें सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का पुष्पमाला से स्वागत किया। साथ ही परियोजना की यूनियन/एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी पुष्पमाला पहनाकर अतिथि कर्मचारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार नें सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि एनटीपीसी-विंध्याचल को वर्तमान ऊंचाइयों तक पहुंचाने में आपके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा और एनटीपीसी-विंध्याचल सदा ही आपकी सेवा के लिए आपका कृतज्ञ रहेगा।

साथ ही महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) संजीब कुमार साहा नें सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को अपने जीवन की नई पारी की नए सिरे से शुरुआत करने हेतु शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसी कड़ी मे विभागाध्यक्षों ने भी सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।सम्मान की कड़ी में सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों का कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार एवं अन्य महाप्रबंधकगणों द्वारा श्री फल, शाल एवं स्मृति-चिन्ह से सम्मानित किया।

इसके अतिरिक्त सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को एनटीपीसी मे उनके द्वारा दी गई दीर्घ सेवाओं के लिए दीर्घ सेवा प्रमाण-पत्र आदि भी प्रदान किया गया । इस अवसर पर महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष, यूनियन एवं एसोशिएशन के प्रतिनिधिगण, सेवानिवृत होने वाले विभाग के कर्मचारीगणों के साथ-साथ एवं उनके परिवार जन भी उपस्थित रहे। अभिनंदन समारोह का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ प्रबन्धक(मानव संसाधन) श्रीमती पुर्णिमा चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

ऊर्जाधानी में पड़ रही कड़ाके की ठंड, अस्पताल में मरीजों का हाल बेहाल

मरीजों ने कहा एक कंबल से नही जा रही ठंड, प्रबंधन बेपरवाह

सिंगरौली। ऊर्जाधानी में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ऐसे में जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर में मरीजों के लिए ठंड से बचने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नही की गई है। एक कंबल के भरोसे मरीज रात्रि बीता रहे हैं। इसके बावजूद चिकित्सालय प्रबंधन कुम्भकरणीय निद्रा में सो रहा है। आलम यह है कि जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर में इन दिनों मरीजों को पर्याप्त कंबल उपलब्ध नही

कराया जा रहा है। रात भर ठंड में बीता रहे है। कई मरीजों से इस बारे में पूछा गया तो मरीजों ने बताया कि एक पतला सा कंबल मिला हूआ है। इस कंबल से ठंड नही जा रही है। जब और कंबल मांगा जाता है कि पहले डाट फटकार सुनना पड़ता है। इसके बाद मन हुआ तो दे दिए नही तो वह भी नसीब नही होता। कुछ इस तरह का हाल इन दिनों जिला चिकित्सालय में देखने व सुनने को मिल रहा है। जबकि इन दिनों जिले में कड़ाके की ठंड व शीतलहर का प्रकोप जारी है। इसके बावजूद जिला चिकित्सालय प्रबंधन ठंड से बचने के लिए कोई ठोस पहल नही कर रहा है।

ठंड से बचने निगम के वाहन चालको को वितरित किए गए ट्रैक सूट

सिंगरौली। ऊर्जाधानी में पड़ रहे भीषण ठंड को देखते हुये नगर पालिक निगम सिंगरौली आयुक्त डीके शर्मा के निर्देशन में नगर निगम एसडीओ प्रभारी व वाहन अधिकारी के नेतृत्व में अंग्रेजी नववर्ष-2025 के आज पहले दिन नगर निगम मे कार्यरत लगभग 115 वाहन चालकों ठंड से बचने हेतु ट्रैक सूट वितरण किया गया और चालक गण ट्रैक सूट पाकर खुशी जतायी है और वही एक दूसरे को मिठाई खिलाकर नववर्ष की बधाई भी दी। उक्त अवसर पर वाहन अधिकारी एसएन द्विवेदी, समाजसेवी अवनीश दुबे, अमिताभ यादव उपयंत्री, आशीष पाण्डेय सहित भारी संख्या में चालक साथी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खण्ड सरई मे संस्कार केन्द्र का हुआ शुभारंभ

सिंगरौली। सिंगरौली जिले के सरई मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खण्ड सरई द्वारा शिवा जी तरुण व्यवसायी शाखा सरई एवं त्रयंबकेश स्मृति न्यास के द्वारा बीते मंगलवार को सुबह प्रात: ८:०० बजे सेवाबस्ती चौराटोला नगर परिषद सरई में संस्कार केंद्र/ पाठदान केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर मंचासीन अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम भारत माता की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। मुख्य अतिथि का संक्षिप्त उद्बोधन एवं जिला कार्यवाह के द्वारा संस्कार एवं पाठदान केंद्र चलाने के उद्देश्य को विस्तार से

बताया गया। केंद्र के लिए भवन मदन प्रसाद जायसवाल के द्वारा सेवा भाव से निशुल्क उपलब्ध कराया गया है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच राम बालक द्विवेदी ,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह श्यामजी जायसवाल, खंडकार्यवाह रोशन लाल गुप्ता एवं सेवा प्रमुख श्यामलाल जायसवाल श्यामू एवं स्वयंसेवक अजय दीपक गुप्ता, शंकर लाल गुप्ता, अमन गुप्ता, मदन जयसवाल, सियाराम जायसवाल अरुण जायसवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक, छात्र और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।संघ के स्वयंसेवक राधेश्याम जायसवाल घोघरा को शिक्षक तय किया गया है। इस संस्कार पाठदान केंद्र के प्रारंभ होने से चौराटोला बस्ती के लोगों में पर्याप्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

नव वर्ष पर समाजसेवी भाटी ने खिलाड़ियों को वितरित किया खेल सामग्री

सिंगरौली। नव वर्ष के शुभ अवसर पर नगर परिषद सरई के वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद और समाजसेवी प्रेम सिंह भाटी ने घोघरा में खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खिलाड़ियों को खेल सामग्री वितरित की। , जिससे क्षेत्र के युवा खिलाड़ी प्रोत्साहित हुए।इस मौके पर प्रेम सिंह भाटी ने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि

मानसिक विकास और टीम वर्क की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की कि वे खेल को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और क्षेत्र तथा देश का नाम रोशन करें। इस दौरान युवा खिलाड़ी और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे। खिलाड़ियों ने पार्षद द्वारा दी गई खेल सामग्री के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे अपने खेल कौशल को निखारने का एक महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रेम सिंह भाटी के इस प्रयास की हर ओर सराहना हो रही है, क्योंकि यह युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

वार्ड- 38 मे लगा कैंप, 63 लोगो को किया गया लाभान्वित

सिंगरौली। नगर निगम के वॉर्ड न 38 तुलसी ढोटी में पार्षद कार्यालय के समाने जिला प्रशासन एवं नगर पालिक निगम सिंगरौली द्वारा वार्डों में कैंप लगाकर जन कल्याणकारी योजनाओं को वॉर्ड 38 तुलसी वासियों 63 सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है, इस अवसर पे वॉर्ड न 38 तुलसी पार्षद अनिल कुमार वैश्य एवं अपीलीय समिति सदस्य नगर पालिक निगम सिंगरौली, एड अवनीश कुमार दूबे जी, एसडीओ एस एन द्विवेदी, वॉर्ड 38 प्रभारी विजय श्रीवास्तव, सी.एच.वो सना परवीन सिद्धिकी , ए.नम सरस्वती जायसवाल, सुनीता वर्मा, रेखा वर्मा ,सुनीत शाह अर्चना शाह, और वॉर्ड के देव तुल्य जनता जनार्दन उपस्थित रहे।

जिले में विकास के कार्यो में गति लाए: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने व्हीसी से संभागीय बैठक की समीक्षा की

सिंगरौली। व्हीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संभागीय बैठक के एजेंडा विंदुओं की विभागवार समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में विकास कार्यों को गति देने के लिए संभागीय बैठकें आयोजित की जा रही है। कमिश्नर और कलेक्टर विभिन्न विभागो के विकास कार्यों की प्रस्तावित कार्ययोजना में जन प्रतिनिधियों के सुझाव को सम्मिलित करे। मुख्यमंत्री ने कहाकि सीधी से सिंगरौली हाईवे के निर्माण कार्य में प्रगति हुई है। अभी जो अधूरा कार्य है उसे तेजी से पूरा कराये। वही मउगंज रीवा सीधी और सिंगरौली जिले को सिचाई सुविधा देने के लिए स्वीकृत सीतापुर हनुमना उद्वहन सिचाई परियोजना में निर्माण कार्य शुरू करने के लिए पर्यवरण स्वीकृती के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इस परियोजना का विस्तृत डीपीआर तैयार करे। मुख्यमंत्री ने सोन घड़ियाल अभ्यारण के नोटिफिकेशन के संबंध में कहा कि इसका प्रस्ताव भेजा जा चुका है पर्यवरण तथा वन विभाग द्वारा इस पर कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री बगदरा गौ वन विहार निर्माण, सिंगरौली में सड़क निर्माण तथा सिचाई परियोजनाओं के संबंध में कलेक्टर को आवश्यक निर्देश दियें।

सभी के सहयोग से चितरंगी क्षय रोग को हराकर आरोग्य का नया अध्याय लिखेगा: ऋषि नारायण

सिंगरौली। प्रधानमंत्री टीवी मुक्त भारत अभियान एवं 100 दिवसीय निश्चय शिविर अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर सामाजिक कार्यकर्ता पंचायत प्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षय रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि सभी संभावित रोगियों की जांच सुनिश्चित हो सके। सभी जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की टीवी मुक्त भारत अभियान में जन भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए गांव के ही टीबी के मरीज को निश्चय मित्र बनकर फूड बास्केट उपलब्ध कराया जा सकता है। इसी कड़ी में विकासखंड चितरंगी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋषि नारायण सिंह के द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वह अपने गांव के टीवी के मरीज को गोद लेकर फूड बास्केट के रूप में स्वेच्छा से चना, गुड़ ,आटा, मूंगफली ,दाल आदि जैसी सामग्री उपलब्ध बनाकर निश्चय मित्र बने। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा यह भी कहा गया कि साथ ही उस मरीज को निरंतर और पूरी दवा खाने हेतु प्रेरित करें ताकि वह पूर्ण रूप से ठीक हो सके। अगर समाज का हर व्यक्ति इस कार्य में सहभागिता सुनिश्चित करता है तो निश्चित ही आने वाले समय में चितरंगी टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के सपनों को पूरा करते हुए एक नया अध्याय लिखेगा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई टीवी मरीजों की सूची एवं फूड बास्केट उपलब्ध कराए जाने वाले कार्यकर्ताओं की सूची सामाजिक कार्यकर्ता रजनीश साहू एवं पीरामल फाउंडेशन के गांधी फेलो अक्षय कुमार एवं राजेश के द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सौंप गई।

एनटीपीसी विंध्याचल मे जेम की बालिकाओं के लिए शीतकालीन सत्र का किया शुभारंभ

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल के नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत बालिका सशक्तिकरण अभियान 2024 की बालिकाओं के लिए शीतकालीन सत्र कार्यशाला का शुभारंभ आज सोमवार को क्षेत्रीय ज्ञानार्जन संस्थान के सभागार में किया गया । यह 7 दिवसीय कार्यशाला 30 दिसम्बर 2024 से 4 जनवरी 2025 तक मई-जून-2024 में जेम कार्यक्रम के तहत एक महीने की ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में भाग लेने वाली बालिकाओं के लिए आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में आस-पास के 22 गाँवों के 13 शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालयों की 110 बालिकाएँ भाग ले रही है।सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर एनटीपीसी गीत के माध्यम से किया गया। इस कार्यशाला मे ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में जेम की बच्चियों द्वारा सीखे गए विषयों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही सभी प्रतिभागियों को अंग्रेजी, कंप्यूटर, सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण, योग, मार्शल आर्ट, नृत्य और शारीरिक स्वच्छता आदि विषयों की जानकारी सप्ताह भर चलने वाले कार्यशाला के दौरान दिया जाएगा।कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा सभी प्रतिभागियों को इस कार्यशाला मे भाग लेने हेतु बधाई दी गई एवं सप्ताह भर चलने वाले कार्यशाला मे सिखाये जा रहे बातों को अपने जीवन मे अपनाने हेतु प्रेरित भी किया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा) डॉ. बीसी चतुर्वेदी, महाप्रबंधक(आर एल आई) त्रिलोक सिंह, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) राकेश अरोड़ा, उपाध्यक्षा (सुहासिनी संघ) श्रीमती सारिका चतुर्वेदी, वरिष्ठ सदस्या (सुहासिनी संघ) श्रीमती पाला, उप महाप्रबन्धक(मानव संसाधन) श्रीमती कामना शर्मा, महासचिव (सुहासिनी संघ) श्रीमती शिल्पा कोहली, उप प्रबन्धक (योजना एवं प्रणाली) फर्जन्द हुसेन, कार्यपालक (सीएसआर) निखिल जायसवाल एवं मानव संसाधन टीम के साथ-साथ एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जेम के शीतकालीन सत्र की कमेटी के सदस्यगण उपस्थित रहें।

आधी रात को माजनमोड़ पर पकड़ाया डीजल से भरा टैंकर

शराब के नशे में था चालक, हुई कार्यवाही, आधी रात को डीजल परिवहन करने पर उठ रही संदेह पर उंगली

सिंगरौली। मंगलवार एवं बुधवार की मध्य रात माजनमोड़ पर डीजल से भरे एक टैंकर को पुलिस ने पकड़ कर व्हिकल एक्ट एवं अन्य धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध की है। वही आधी रात को डीजल परिवहन करने को लेकर फिलिंग स्टेशन पर भी शक की सूई घूमने लगी है। दरअसल बीती रात कोतवाली पुलिस गस्त कर रही थी। इसी दौरान माजनमोड़ पर टैंकर वाहन क्रमांक एमपी 53 एचए 2224 को खड़ा था। पुलिस जैसे ही नजदीक पहुंची

पहले चालक वाहन छोड़कर भाग खड़ा हुआ। काफी देर के बाद चालक मिला और टैंकर को पुलिस कोतवाली ले गई। आज दोपहर के समय चालक पर शराब पीने व व्हिकल एक्ट उलंघन के आरोप में कार्रवाई कर कोतवाली पुलिस ने प्रकरण को न्यायालय में पेश किया। इधर अब सवाल उठ रहा है कि जयंत में स्थित इण्डियन ऑयल का डीपो शाम 6 बजे के बाद बन्द हो जाता है तो बरगवां जाने के लिए आधी रात तक क्यो रूका हुआ था? समय के मामले को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं।

इनका कहना

रात्रिकालीन गस्त के दौरान डीजल से भरा टैंकर पकड़ा गया था। उसके दस्तावेज वैध मिले। चालक नशे में था और व्हिकल एक्ट का उलंघन किया। जिसके विरूद्ध कार्रवाई की गई।

अशोक सिंह परिहार
टीआई कोतवाली, बैढ़न

नेकी की दीवार से स्वच्छता कर्मियों का सम्मान एक सराहनीय पहल : सांसद

उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा में सीधी अब्बल, सफाई कर्मियों का अहम योगदान : डॉ.दीपारानी

स्वच्छ अस्पताल एवं घर से ही स्वस्थ भारत का होगा निर्माण : सीएमएचओ

सीधी। स्वास्थ्य विभाग ने नव वर्ष का स्वागत सफाई कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों एवं चिकित्सकों को सम्मानित कर किया। जिला अस्पताल के समीप संचालित नेकी की दीवार के माध्यम से आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, अध्यक्षता डॉ.दीपारानी इसरानी सिविल सर्जन जिला अस्पताल, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनीता तिवारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, समाजसेवी कमल कामदार, दिलीप सितानी, आनंद परियानी, सुशील अग्रवानी, डॉ. सिराज अंशारी, संजीव मिश्रा सहित जिला अस्पताल के समस्त चिकित्सक, सफाईकर्मी, सुरक्षाकर्मी, नर्सिंग स्टाफ सहित सैकड़ो गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नेकी की दीवार में आयोजित स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि नेकी की दीवार के माध्यम से स्वच्छता कर्मियों का सम्मान एक सराहनीय पहल है। मैं जिला चिकित्सालय का एक सदस्य था, हूँ और सदैव रहूँगा। यह एक गौरव का विषय है कि आज सभी के सहयोग से प्रदेश में सीधी का नाम हो रहा है, सभी सहयोगियों को हृदय से आभार है।

डॉ. दीपारानी इशरानी सिविल सर्जन ने बताया कि ज्यादा हो तो दे जाएं, जरूरत हो तो ले जाएं की थीम के साथ नेकी की दीवार का संचालन सीएमओ नगर पालिका मिनी अग्रवाल, समाजसेवी डा.सिराज अंशारी एवं संरक्षक संजीव मिश्रा एवं टीम के द्वारा किया जा रहा है। इसके माध्यम से अब तक हजारों जरूरतमंदो तक वस्त्रदान एवं मदद पहुँचाई जा चुकी है। इसी क्रम में नव वर्ष के शुरूआत में 1 जनवरी को सफाईकर्मियों, सुरक्षा कर्मियों एवं चिकित्सकों का सम्मान शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिंह भेंट कर किया गया। डॉ. दीपारानी ने आगे बताया कि वर्तमान में सीधी जिले के समस्त चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों के अथक परिश्रम के बदौलत प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा के लिये जाना जाता है। यह अपने आप में गौरव का विषय है। जिला अस्पताल ने विगत वर्ष लगभग 2.5 लाख मरीजों का सफल उपचार किया है। साथ ही जिला टीकाकरण, डायलिसिस एवं अन्य विधाओं प्रदेश स्तर पर परचम लहराया है। यह उपलब्धि सभी के सहयोग से हमें आज प्राप्त हुई है। ऐसे में सभी सफाई कर्मी, स्वास्थ्य कर्मी एवं सुरक्षा कर्मियों का सम्मान वास्तव में सीधी जिले का सम्मान है।

सीएमएचओ डॉ.सुनीता तिवारी ने अपने सभी स्वास्थ्य कर्मियों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ अस्पताल एवं घर से ही स्वस्थ भारत का निर्माण होता है। उक्त कार्यक्रम का सफल संचालन संजीव मिश्रा समाजसेवी एवं कलमकार के द्वारा किया गया।

नेकी की दीवार में आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अरविन्द सोनी, डॉ. लक्ष्मण पटेल, डॉ. रवि पटेल, डॉ. हिमेश पाठक, डॉ. हरिओम सिंह, डॉ. विभा सिंह, डॉ. अंकिता सिंह, अविनीश मिश्रा, पंकज सिंह मैनेजर, डॉ. आर. बी. सिंह, डॉ. अतुल पाण्डेय, डॉ. उदय सिंह, नर्स स्टाफ, बालेन्द्र सिंह, सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्यजन मौजूद रहे।

परीक्षा पे चर्चा 2025

पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे विद्यार्थियों से परीक्षा पे चर्चा

आनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 जनवरी 2025

सीधी। एपीसी रमसा डॉ सुजीत मिश्रा ने जानकारी देकर बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परीक्षा पे चर्चा 2025 के निमित्त होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिये रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। परीक्षा पे चर्चा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत करेंगे और परीक्षा के तनाव से निपटने के मंत्र देंगे। प्रधानमंत्री इस संवाद कार्यक्रम के दौरान तनाव को पीछे छो?ने और परीक्षा के डर को दूर करने तथा परीक्षा को त्योहार की तरह मनाये जाने के टिप्स साझा करेंगे। परीक्षा पे चर्चा 2025 के लिये पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है एवं अंतिम तिथि 14.01.2025 रखी गई है। प्रधानमंत्री माता-पिता और शिक्षकों के साथ भी बातचीत करेंगे। प्रतियोगिता के माध्यम से चुने गये छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पीपीसी किट उपहार में दी जायेगी। यह प्रतियोगिता कक्षा 6 से 12 तक के स्कूली छात्रों के लिये है। छात्र प्रधानमंत्री जी को अधिकतम 300 शब्दों में अपना प्रश्न भी प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. पी.एल. मिश्रा ने समस्त शासकीय अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से पंजियन करायें। टॉप 10 लेजेंडरी एग्जाम वॉरियर्स को प्रधानमंत्री के आवास पर जाने का मौका मिलेगा, जो जिंदगी में एक बार ही मिलता है

यह एक ऐसी पहल है जो आदर्श माहौल को बढ़ावा देने के लिए छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को एक साथ लाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से प्रेरित है। जहां हर बच्चे के अनोखे व्यक्तित्व का जश्न मनाया जाता है, उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है और खुद को पूरी तरह से व्यक्त करने की अनुमति दी जाती है। इस पहल को पूरी तरह से प्रेरित करने वाली है प्रधानमंत्री की पथ प्रदर्शक, सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब एग्जाम वारियर्स। इस किताब के माध्यम से, प्रधानमंत्री जी ने शिक्षा के प्रति एक ताजा दृष्टिकोण के बारे में बताया है। छात्रों के ज्ञान और समग्र विकास को प्राथमिक महत्व दिया जाता है। प्रधानमंत्री हर किसी से परीक्षाओं को सही परिप्रेक्ष्य में रखने का आग्रह करते हैं।

विकासखंडवार रोजगार मेलों का आयोजन 07 जनवरी से

सीधी। जिले के बेरोजगार युवको को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय सीधी द्वारा एजिल सिक्योरिटी फोर्स ट्रेनिंग एकेडमी द्वारा रोजगार मेले का आयोजन विकासखण्डवारध्पंचायतवार किया जा रहा है। सुरक्षा जवान हेतु निर्धारित योग्यता (8वीं पास या फेल, लंबाई 175 सेमी, उम्र 20 से 35 वर्ष) निर्धारित की गई है।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में सोमवल्ली का पौधरोपण

सीधी। शासकीय महा विद्यालय मड़वास में नववर्ष के उपलक्ष्य एवं प्राचार्य डॉ. आई पी प्रजापति के जन्म दिन के शुभ अवसर पर महाविद्यालय परिसर में औषधीय पौधा सोमवल्ली का पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य आई पी प्रजापति ने कहा कि यह विलुप्त प्राय प्रजाति का पौधा है जो भारत के कुछ ही प्रांतों में पाया जाता है इसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता पाई जाती है। विंध्य प्रदेश के क्योटी के वनीय क्षेत्रो में पाया जाता है हमे इसके सरंक्षण की आवश्यकता है। सोमवल्ली के बारे में वेदों में भी जिक्र मिलता है।

इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के डॉ. दीपक अग्निहोत्री डॉ. पंकज मिश्रा डॉ. कमलेश जायसवाल डॉ. राजेश पटेल डॉ. अनुराग तिवारी डॉ. रामधारी जायसवाल डॉ.संगीता मिश्रा डॉ. निशा सिंह डॉ. अमिता खरे श्री सुंदर लाल प्रजापति श्री अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राएं उपस्थित थे।

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक 06 जनवरी को

सीधी। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि आयोग से प्राप्त निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 अंतर्गत दिनांक 06.01.2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन समस्त मतदान केन्द्रों एवं जिला स्तर पर किये जाने का लेख है, जिसके संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक 06.01.2025 को दोपहर 12.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाना है। उन्होने समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को सूचित किया है कि स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि को निर्धारित समयावधि में उपस्थित रहने हेतु निर्देशित करें।

लाइफ मैनेजमेंट और प्रोब्लम सॉल्विंग माइंडसेट होना आवश्यक : गणेश

अंदर से खुद को मोटिवेट रखना ही सफलता : अभिषेक

सीधी। मानव अधिकार आयोग मित्र गणेश सिंह परिहार ने कहा कि लाइफ मैनेजमेंट और प्रोब्लम साल्विंग माइंडसेट होना बहुत आवश्यक है। इससे क्षमता में वृद्धि होती है और सफलता मे आसानी होती है। वे आज जिला प्रशासन द्वारा संचालित यूपीएससी एवं एमपीपीएससी नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस के छात्र छात्राओं को जनपद पंचायत सीधी के सभागार में नववर्ष के उपलक्ष्य में सफलता के मंत्र बतला रहे थे।

आयोग मित्र गणेश सिंह परिहार ने बताया कि विद्यार्थियों को अपना माइंड सेट प्रोबलम सॉल्विंग रखना चाहिए, अपने जीवन में आने वाली समस्याओं से घबराएं नहीं बल्कि उसका

समाधान खोजने का प्रयास करें और लाइफ मैनेजमेंट पर भी ध्यान दें। उन्होंने कहा कि जिस पवित्र उद्देश्य के साथ आप तैयारी कर रहे हैं उसे पद प्राप्त करने के बाद भी बनाए रखें।

जिला पंजीयक अभिषेक सिंह बघेल ने कहा कि बाहरी मोटिवेशन से ज्यादा जरूरी है अंदर का मोटिवेटन और इस मोटिवेशन को निरंतर बनाए रखना भी आवश्यक है, क्योंकि जब हम अंदर से प्रेरित होते हैं, तो मंजिल मिलने तक रुकते नहीं है।

इस दौरान सहायक संचालक नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस किरण भारती, शिक्षक गुरूदेव मिश्रा और छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं आदर्श परिवार एवं निरंतर रूप से संचालित हो रही है। अतिथियों ने मानव अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान की और छात्र छात्राओं के सवालों के जवाब भी दिए।

सांसद ने सरेठी में लगाई ग्राम चौपाल, स्वास्थ्य शिविर सहित अन्य विषयों पर की चर्चा

सीधी । लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अंग्रेजी नव वर्ष के प्रथम दिवस पर विधानसभा के चौफाल मण्डल के ग्राम पंचायत सरेठी के ग्राम खंधो में बैगा समाज के लोगों से मुलाकात कर, नव वर्ष की शुभकामनाएं दी एवं उनकी समस्याओं से अवगत होकर शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में विकास के नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। लोकसभा संसदीय क्षेत्र में सभी को अच्छा स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाएं बिजली, सड़क, शुद्ध पेयजल आदि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस दौरान स्वास्थ्य शिविर लगवा कर उपस्थित ग्रामीणजनो का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। जिले के सुदूर ग्राम खंधो में सड़क, बिजली, पानी जैसी समस्याओं को शीघ्र दूर करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, वरिष्ठ नेता डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी, देवेंद्र सिंह मन्नू, मंडल अध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह, जनपद सदस्य प्रदीप सिंह गौड़, डॉ. मनोज सिंह परिहार, उमेश यादव सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सैकड़ो ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

विकासखंडवार रोजगार मेलों का आयोजन 7 से

सीधी। जिले के बेरोजगार युवको को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय सीधी द्वारा एजिल सिक्योरिटी फोर्स ट्रेनिंग एकेडमी द्वारा रोजगार मेले का आयोजन विकासखण्डवार /पंचायतवार किया जा रहा है। सुरक्षा जवान हेतु निर्धारित योग्यता 8वीं पास या फेल, लंबाई 175 सेमी, उम्र 20 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। उन्होने बताया कि जनपद पंचायत मझौली में 7 जनवरी को, रामपुर नैकिन में 8 जनवरी को, सिहावल में 9 जनवरी को, कुसमी में 10 जनवरी को एवं सीधी में 11 जनवरी 2025 को जनपद परिसरों में प्रात: 11 बजे से सायं 5 बजे तक रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है।

अमरवाह खरीदी केंद्र में मिल रही सर्वाधिक शिकायतें

जिम्मेदार अधिकारी निरीक्षण करना नहीं समझते उचित

सीधी। जिला मुख्यालय के समीपस्थ अमरवाह खरीदी केंद्र में सर्वाधिक शिकायतें मिल रही हैं। यहां स्थिति यह है कि किसानों द्वारा धान की तौलाई कराई जाती है। उसके एवज में अलग से तौलाई के नाम पर ज्यादा धान लेने की शिकायतें मिली हैं। समिति प्रबंधक बृजेन्द्र सिंह चौहान अक्सर यहां आते भी नहीं हैं। उनके नुमाइंदे द्वारा मनमानी का आलम लगातार किया जा रहा है। शिकायतों के बाद भी कार्यवाही नहीं हो रही है। देखा जाए तो मुख्यमंत्री ने भी स्पष्ट निर्देश दिया है कि धान खरीदी केंद्रों में किसी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए लेकिन धान खरीदी केंद्र में सीधी जिले के अधिकतर स्थानों में यह स्थितियां दिख रही हैं कि किसानों के साथ छलावा किया जा रहा है। निर्धारित वजन से ज्यादा धान लेने की शिकायतें भी मिल रही हैं। यही मामला धान खरीदी केंद्र अमरवार में भी देखने को मिला है। जहां कि अव्यवस्था के बाद भी किसानों के साथ निर्धारित क्षमता से ज्यादा धान की तौलाई की जाती है। इसके साथ यहां व्यवस्था के नाम पर कुछ भी सुविधाएं किसानों के लिए उपलब्ध नहीं हो रही है।

अमरवाह खरीदी केंद्र में अधिकतर शिकायतें मिल रही है कि किसानों से ही बोरी भराई का काम किया जाता है। पावरफुल नेतागिरी करने वाले किसानों को छोंड़ दें तो आम किसानों से बोरी भराई का काम समिति प्रबंधक द्वारा कराया जाता है। जबकि इसके लिए शासन द्वारा निर्देश दिया गया है कि मजदूरों से ही यह काम कराया जाए।

युवाओं को नशे से परहेज करने की है जरूरत: पप्पू

सीधी। बढ़ते नशे को लेकर समाजसेवी श्रीगंगा धर्मकांटा के संचालक महेन्द्र सिंह चौहान पप्पू ने कहा कि आज देश के युवा भटक रहे हैं। युवाओं को नशे से दूर रहने की जरूरत है। उन्होने कहा कि नए वर्ष में हम यही संदेश देना चाहते हैं कि युवा अपने भविष्य को लेकर रणनीति तय करें जिससे उनका आने वाला भविष्य उज्जवल रहे।

श्री सिंह ने कहा कि हिंदुस्तान में युवा भटक रहे हैं। नशीली पदार्थ का सेवन करते देखे जा रहे हैं। ऐसे में जन सेवा देश सेवा के लिए युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि वह भटक जाएंगे तो राष्ट्र का निर्माण रुक जाएगा। इसके लिए हम सभी युवाओं से अपील करेंगे कि नशीली पदार्थ से दूर रहकर देश हित के लिए काम करें। भविष्य आपके ऊपर है। शैक्षणिक व्यवस्था सहित जिस क्षेत्र में काम करना चाहते हैं उसमें ध्यान देने की जरूरत है।

चन्दन दास की गजलों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

31 दिसम्बर की रात को संगीत व आतिशबाजी के संगम से हुआ नववर्ष का स्वागत

सीधी। स्थानीय श्री गंगा विलास रिजॉर्ट में गजल ए खास विथ चन्दनदास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मुम्बई से आये गजल सम्राट चन्दन दास की आवाजों से सीधी शहर में बीते हुए साल की विदाई और नए साल का स्वागत किया गया। गजल सम्राट चन्दन दास ने आ भी जाओ के जिन्दगी कम है, कल खाब मे देखा सखी मैने पिया का गाओ रे, जब मेरी हकीकत जा जा कर, जब कोइ फैसला कीजिये, साथ छूटेगा कैसे मेरा आपका जैसी गजलों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फिल्म अभिनेता रज़ा मुराद द्वारा मंच का संचालन करते हुए अपनी शायरियों व आवाज से दर्शकों के दिलों में आवाज के जादू से जगह बनायी वही उनकी भारी-भरकम आवाज से पूरा रिजॉर्ट परिसर गूंज

उठा। अभिनेत्री एवं गायिका करिश्मा राव व गायक प्रकाश तिवारी मधुर की जोड़ी ने इस शाम में चार चांद लगाने का काम किया उनकी प्रस्तुतियों से महफिल में जान आ गई लोग मन ही मन में झूमने लगे। 31 दिसम्बर की रात 12 बजे केक काट कर संगीत व आतिशबाजी के अनूठे संगम के साथ नववर्ष का स्वागत दर्शकों को नववर्ष की बधाईयॉ देते हुए किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में लाइट अरेन्जमेन्ट में शैलेन्द्र दत्त तिवारी, तबला बादक अरशद खान मुंबई, वायलिन बाबूलाल झावर ,कीबोर्ड दिनेश खड़तिया , पैड मेहूल, गिटार राहुल झरिया, ढोलक राजेंद्र नाहर, साउंड इंजीनियर पुष्पेंद्र का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में पूर्व सांसद गोविन्द्र मिश्रा, चिन्तामणि तिवारी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह मुन्नू, चन्द्रमोहन गुप्त, के0के0 तिवारी, श्रीमती मीना गुप्ता, पार्षद गण श्रीमती पूनम सोनी, श्रीमती कुमुदनी सिंह,बाबूलाल कुशवाहा, विनोद मिश्रा व पत्रकारों में वरिष्ठ पत्रकार नन्दलाल सिंह, मनोज पाण्डेय, कनिष्क तिवारी, मनोज मिश्रा व एडिसनल एसपी लखनऊ सहित सीधी शहर के हजारों लोगों ने अपनी मौजूदगी दर्ज करके कार्यक्रम को आसमान की बुलंदियों तक पहुंचाया।

SECTION 1

Notice Inviting e-Tenders

Government of Madhya Pradesh

OFFICE OF THE DVISIONAL FOREST OFFICER, SIDHI DIVISION

Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S. No./ Pkg/Code	Name of Work	District(s)	Probable Amount (Rs. in lakh)	Completion Period (months)
1	LINE QUARTER OF RANGE CAMPAS SIDHI AT RANGE Sidhi, DISTT.- Sidhi M.P.	Sidhi	4829198/-	03 Months (ON OR BEFORE MARCH 15, 2025)

1. Interested bidders can view the NIT on website https://mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from 28-12-2024 time 4.00 PM (date) to 11-01-2025 (time) ***3.00 PM*** (date).
3. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.
4. The tender document can be purchased only online from the above website after making online payment using credit card or internet banking account. Detailed NIT and other details can be view on the abovementioned portal.

DIVISIONAL FOREST OFFICER
DIVISION, Sidhi (M.P.)

G-21034/24

संपादकीय

ब्रह्मपुत्र पर बांध, भारत-बांग्लादेश के कई इलाके होंगे त्रासदी के शिकार

भारत के प्रति चीन का रवैया पहले ही संदेहों के घेरे में रहा है। चीन अपने हित में और विकास के नाम पर जो फैसले करता है, वह कई बार पड़ोसी देशों के लिए जोखिम का वाहक बन जाता है। यह आशंका खासकर इसलिए भी पैदा होती है, क्योंकि पिछले कुछ समय से सीमावर्ती इलाकों में चीन की गतिविधियां उसके भीतर छिपी विस्तारवाद की भूख को दर्शाती हैं। यही वजह है कि अब चीन अपनी विकास यात्रा को आगे ले जाते हुए ऊर्जा उत्पादन के मकसद से ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने जा रहा है, तो उसके इस फैसले से भारत और बांग्लादेश की चिंता बढ़ गई है।गौरतलब है कि चीन ने तिब्बत पठार के पूर्वी हिस्से में दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की घोषणा की है। चीन यह बांध जिस यारलुंग जांगबो नदी पर बनाने जा रहा है, उसे भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। माना जा रहा है कि इस बांध के जरिए चीन हर वर्ष तीन सौ अरब किलोवाट प्रतिघंटे बिजली पैदा करेगा।प्रथम दृष्टया यह चीन के अपने दायरे में की जा रही विकास की एक गतिविधि है, लेकिन इसके नतीजे में भारत और बांग्लादेश के सामने कई तरह के जोखिम और अन्य चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। दरअसल, यारलुंग जांगबो नदी भारत में अरुणाचल प्रदेश की ओर मुड़ती है। अगर बांध बनने के बाद चीन किन्हीं स्थितियों में या फिर भू-राजनीतिक तनाव उभरने के बाद प्रतिक्रिया स्वरूप इसके पानी को नियंत्रित करता है तो इसका सीधा असर भारत में पानी की आपूर्ति पर पड़ सकता है। यानी एक तरह से इससे चीन पर भारत की निर्भरता बढ़ जाएगी।इसी तरह, इस बांध से अगर बेलगाम तरीके से पानी छोड़ा जाएगा तो भारत के कई इलाकों में अचानक और भयावह बाढ़ से तबाही मच सकती है। भारत की इस चिंता का विस्तार बांग्लादेश में होता है, क्योंकि इसी तरह का प्रभाव वहां भी पड़ेगा। यों चीन अपनी इस योजना का बचाव करते हुए इससे उपजी चिंताओं का समाधान कर लिए जाने की बात कह रहा है, लेकिन उसके इस फैसले से भारत के सामने लगातार आशंका बनी रहेगी।

दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। वैश्विक परिवार का अर्थ है वसुधैव कुटुम्बकम इसका मूल सिद्धांत यह है कि संपूर्ण मानवता एक परिवार है। इस विचारधारा के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी राष्ट्र, जाति, या धर्म से हो, एक ही व्यापक परिवार का हिस्सा है। इस सिद्धांत के अनुसार, विश्व में सभी का समान महत्व है और हर किसी को समान सम्मान मिलना चाहिए।

विश्व बंधुत्व की भावना से ही बनेगा वैश्विक परिवार

रमेश सर्राफ धमोरा

महात्मा गांधी का एक प्रसिद्ध भजन है वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है। गांधी जी के इस भजन की पंक्तियों को भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से ही विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलाता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो हमेशा से ही सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है।

दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। वैश्विक परिवार का अर्थ है वसुधैव कुटुम्बकम इसका मूल सिद्धांत यह है कि संपूर्ण मानवता एक परिवार है। इस विचारधारा के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी राष्ट्र, जाति, या धर्म से हो, एक ही व्यापक परिवार का हिस्सा है। इस सिद्धांत के अनुसार, विश्व में सभी का समान महत्व है और हर किसी को समान सम्मान मिलना चाहिए।

दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो। ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सकें।

जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है।यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है। जिसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं। एक खुशहाल परिवार वह परिवार नहीं है जिसमें हर कोई एक दूसरे के जैसा सोचता, काम करता, महसूस करता या व्यवहार करता हो। एक खुशहाल परिवार की एक पहचान यह है कि पूरा परिवार एक दूसरे को वैसे ही स्वीकार करता हैं।

यह दिन पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। वैश्विक परिवार दिवस को शांति और साझाकरण के वैश्विक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य बहुसंस्कृतिवाद, बहुलवाद को बढ़ावा देना और शांति और सद्भाव के साथ एक-दूसरे के साथ रहना सिखाना है। यह दिन विश्व के एक वैश्विक परिवार होने के विचार को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य एकजुट होना और इस विचार को बढ़ावा देकर शांति का संदेश फैलाना है कि पृथ्वी एक वैश्विक परिवार है। ताकि दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाया जा सके।

वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 1 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। वहीं दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्री आइलैंडरू ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 1 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार पर ही 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1 जनवरी को शांति का एक दिन मनाने की घोषणा की।

बाद में 1999 में संयुक्त राष्ट्र और इसके सदस्य देशों ने पहली बार वैश्विक परिवार दिवस मनाया गया। इस दिवस की सफलता को देखते हुए साल 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया। इसके बाद से हर साल एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नए साल की शुरुआत के साथ ही इस दिन को मनाने का मकसद एक ऐसे समाज की स्थापना करने का प्रयास है जहां सिर्फ शांति हो।

हालांकि यह एक नई शांतिपूर्ण दुनिया की शुरुआत थी और 1999 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को शांति निर्माण की दिशा में रणनीति विकसित करने के लिए उस विशेष वर्ष के पहले दिन को औपचारिक रूप से समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए 2001 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक परिवार दिवस को एक वार्षिक कार्यक्रम घोषित किया गया। पहला वैश्विक परिवार दिवस पहली बार वर्ष 2000 में एक जनवरी को देखा गया था। तब से हर साल नए साल के पहले दिन को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नए साल के आगाज साथ ही वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस को हर साल एक जनवरी को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के सभी देशों, धर्मों के बीच शांति की स्थापना करते हुए युद्ध और अहिंसा को टालना है। साथ ही यह भी कोशिश है कि आपसी मतभेदों को बात-चीत के जरिए से निपटाया जाए और एक शांतिपूर्ण समाज की स्थापना की जा सके। इस दिन के लिए परिवार को काफी अहम माना गया है। क्योंकि परिवार के जरिए ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।

वैश्विक परिवार दिवस मनाने का सबसे अच्छा तरीका अपने परिवार के साथ दिन बिताना है। इस दिन लोग एक साथ रात्रिभोज की योजना बनाते हैं और अन्य पारिवारिक गतिविधियों का आनंद लेते हैं जो उनके बंधन को मजबूत करते हैं और शांति को बढ़ावा देते हैं। परिवार के साथ मनोरंजक गतिविधियों में एक साथ शिविर लगाना या एक साथ खाना बनाना, पिकनिक पर जाना, ट्रेक और बहुत कुछ शामिल हो सकता है। इस दिन को समुदाय के हिस्से के रूप में मनाने के लिए आप उन संगठनों के लिए स्वयंसेवक बन सकते हैं जो समुदाय का निर्माण करते हैं, हिंसा को कम करते हैं और अपने परिवार के साथ सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं। आप वैश्विक शांति की दिशा में प्रयासों के बारे में कोई भी फिल्म देख सकते हैं।

आज पूरी दुनिया में युद्ध का वातावरण बना हुआ है। कई देशों में युद्ध छिड़ा हुआ है तो कई देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हुए हैं। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जा रही है। लोग एक दूसरे के दुश्मन बनते जा रहे हैं। जरा जरा सी बात पर लड़ाई झगड़ा होने लगता है। ऐसे में वैश्विक परिवार दिवस हमारे लिए आशा की एक नई किरण लेकर आता है। इस दिवस से हमें पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में बनाने की प्रेरणा मिलती है। यदि हम वैश्विक परिवार दिवस की अवधारणा के अनुरूप एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना अपना कर काम करे तो दुनिया शांति के पथ पर चलने लगेगी और सही मायने में इस दिवस की सार्थकता भी सिद्ध हो सकेगी।

अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए कदम बढ़ाएं

विवेक कुमार मिश्र

नया साल कुछ नयापन लेकर आता है, कुछ बदला बदला सा चल रहे समय में कुछ अच्छा सा करता हुआ जब नया साल आता है तो नया साल नया ही नहीं लगता नया दिखता है। यह नया वर्ष 2025 खास है। 2025 के आने में एक सदी का चौथाई हिस्सा खर्च हुआ है। इस समय में बहुत कुछ बदला है, सोच, तकनीक और जीवन शैली में व्यापक परिवर्तन आये हैं जो गांव से लेकर शहर तक दिख रहे हैं। पहले जहां बाजार, शोरूम में बड़े और उच्च मध्य वर्ग के लोग ही ज्यादातर दिखते थे वहीं अब गांव के और शहर के आम आदमी से लेकर हर आदमी दिखता है। हमारे जीवन में, सोच में इतना बदलाव आया है कि सभी जीवनशैली को सुविधा के साथ जोड़ कर देख रहे हैं और अपने जीवन पर संसाधनों को खर्च कर रहे हैं। अब पूंजी केवल रखने की बात नहीं है उसे खर्च भी करना है। यह परिवर्तन सोच में आया है, अब बाजार जाना किसी को भी मुश्किल नहीं लगता। आम आदमी की सोच में आये इस परिवर्तन से बाजार उद्योग जगत खुश हैं और इसे खुशहाली के पैरामीटर के रूप में देखा जा रहा है। हमारे सोचने के तरीके और तकनीक में बदलाव तो आया ही है जीवन व्यवहार में भी बड़ा बदलाव दिख रहा है। यह जो नया साल है उसे यूं ही एक नया साल मानने भर की गलती न करें बल्कि इस नये साल की उपस्थिति को अपने जीवन संसार में एक महत्वपूर्ण पड़ाव की तरह लेते हुए आगे चलें। यह नया वर्ष जीवन की दृढ़ता का बने, जो संकल्प लें उसे पूरा करें। अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें। चूक कहां हो रही है या क्या कारण है कि हम पहुंचते पहुंचते भी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं। एक साथ एक से अधिक संकल्पों को लेकर चलते हुए कहां अटक जाते हैं, इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अपने संकल्पों को परिभाषित करना होगा। आपका संकल्प केवल आपका नहीं है उस संकल्प के साथ आपका परिवार है, समाज है और देश है सबको ध्यान में रखते हुए ही चलना होता है। जब हमारे संकल्प में अन्य संसार के लिए भी जगह होती है तो सब मिलकर उस संकल्प को पूरा करते हैं और ऐसे में जो सफलता मिलती है वह सामाजिक सफलता होती है। वह जीवन की सार्थकता भी होती है। नये संदर्भ और नये सिरे से चलने के लिए कुछ सूत्र बनाने पड़ते हैं जो जीवन पथ पर सीख देते हैं -

1. किसी भी कार्य को टालें नहीं। टालमटोल, आगे पीछे की आदतों से मुक्त होकर कार्य करें। आज नहीं कल कर लेंगे ऐसा सोचने वाले कभी भी किसी कार्य को ठीक से कर नहीं पाते हैं। आप जो भी संकल्प करें वह आपका ही हो दूसरे के लिए गये संकल्प को कोई भी पूरा नहीं कर पाता। ऐसा पथ बनाये कि उस पर चलने के लिए आपका किसी से अनुमति न लेना हों।
2. शुभ संकल्पों को करने हेतु तत्परता दिखायें। किसी और के करने से या अपने कार्य किसी और पर टालने से आप कुछ नहीं कर सकते। पीछे-पीछे चलने वाले पिछलग्गू ही बन जाते हैं। ऐसा बनने की जगह जो सोचें उसे स्वयं करें। स्वयं आगे बढ़े। यह स्वयं का आगे बढ़ना ही जीवन के विस्तार में महत्वपूर्ण होता है।
3. कौन क्या कर रहा है कैसे कर रहा है यह आपके लिए महत्वपूर्ण नहीं होना चाहिए। बल्कि आपको यह देखना है कि आप कुछ कर रहे हैं या नहीं और यदि कुछ नहीं कर रहे हैं तो कुछ करने की सोचिए। इस दुनिया में किसी के लिए कुछ भी आसान नहीं है, किसी को कुछ भी यूं ही नहीं मिल जाता है। सभी को संघर्ष की दरिया पार कर आगे बढ़ना होता है। सबका अलग तरीका होता है। अपनी उपस्थिति अपनी जगह, अपनी सफलता स्वयं बनानी पड़ती है। कोई और आपकी सफलता बनाने के लिए कदापि आगे नहीं आयेगा। सबसे जरूरी जो बात है वह यह कि आप अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे

बढ़े।
4. अपनी विशेषज्ञता को, अपने हुनर को न छोड़ें। यह आपको ईश्वर ने विशेष रूप से दिया है। इसे लेकर केवल आप ही चलेंगे। अपनी आदतों अपने स्वभाव के साथ आप अकेले हैं तो फिर अकेले ही चलें। किसी और के लिए अपने स्वभाव व आदत में परिवर्तन न लाएं।
5. नये वर्ष में अपनी आदतों, अपने स्वभाव के साथ चलें, सहज और स्वाभाविक रूप से चलें। बस एक बात का ध्यान रखें कि आपकी वजह से कोई दुःखी न हो। यदि आप किसी को किसी तरह का सुख नहीं दे सकते तो अन्य के दुःख और कष्ट का कारण तो न बने। हमेशा बातों, संदर्भों, और घटनाओं को सकारात्मक ढ़ंग से लें। स्वाभाविक रूप से जिंदगी को जीते चलें। यात्रा के क्रम में जो भी पड़ाव आते हैं उसका आनंद लें न कि यूं ही परेशान होते चलें।
6. बहुत सारे ऐसे लोग मिल जाएंगे जो परेशान दिखते हैं पर होते नहीं। बाल बिखरे हैं लस्टम पस्टम पड़े हैं ऐसे लोग बिना किसी परेशानी के परेशान दिखते हैं, इन्हें देखकर दुःख उपजता है। यद्यपि ये दुखी नहीं होते पर दुखी जैसा दिखने का इनका स्वाभाविक परिधान होता है। ये दुःख के संचारी भाव की तरह होते हैं। अतः ऐसे लोगों से 100 फर्लांग दूर रहते अपना कार्य करते चलें। यदि इनके हिसाब से कोई कार्य करते हैं तो बिना बांधा के भी हजार बाधाएं आ जायेंगी।
7. संसार को संसार की तरह लें। किसी भी बात को आश्चर्य की तरह न लें। यदि संसार सहज रूप से उपस्थित हैं तो फिर आप असहज क्यों हो रहे हैं।
8. अपने पथ पर चलते रहें। अपना रास्ता खुद बनाते चलें। यह मानकर चलें कि कोई भी रास्ता कोई भी सफलता यूं ही नहीं मिली है। उसके लिए हर किसी ने अपना सब कुछ दांव पर लगाया है। कोई भी सफलता क्यों न हो वह कड़ी मेहनत और एक निश्चित दिशा में चलने का परिणाम होती है। हर आदमी सफलता के पीछे की मेहनत और संघर्ष को नहीं देखता उसे तो बस चमकीली सफलता ही दिखती है।
9. अपने संकल्प को पूरा करने के लिए पहले दिन से ही जुट जाएं। हर सफलता के पीछे कड़ी मेहनत और प्लानिंग होती है। लगातार मेहनत और लगन से ही अपने पथ पर चला जा सकता है।

सफलता के पथ को स्वयं के संकल्पों से रचते हुए नये वर्ष में नित्य अपने कदमों को आगे बढ़ाते रहें। आपका यह संकल्प होना चाहिए कि आपके कार्यों की वजह से किसी को दुःख व कष्ट न हो।

वर्ग पहेली 5600

1	2	3		4	5	6	
7				8			
9			10			11	12
	13	14		15			
16				17			
		18				19	
20	21			22	23		
24			25				

संकेत: बाएं से दाएं

1. 13 अगस्त 1999 को इस लेखिका की पुस्तकी आमार मऐबेला पर बांग्लादेश सरकार ने प्रतिबंध लगाया (8)
7. वंचित जाना, निर्मित होना (3)
8. जल में उत्पन्न वस्तु (3)
9. अलक, जुल्फ, उर्दू का अक्षर (2)
10. स्वच्छ, निर्मल (2)
11. महिला ईसाई पादरी को यह कहा जाता है (2)
13. 14 वीं-15 वीं शताब्दी के प्रसिद्ध संत जिन्होंने धार्मिक एकता का उपदेश दिया था (3)
15. द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
16. दानशील, फैयाजी, दयालु (3)
17. तन, जिस्म, काया, शरीर (3)
19. व्रत या उपवास (उर्दू)(2)
20. किसी कार्य का अपनी ओर से आरंभ (3)
22. उपवन, वाटिका, बगीचा (2)
24. शरीर पर काले रंग का गहरा दाग (2)
25. श्रृंगार, सज्जा, रौनक (उर्दू) (3)

ऊपर से नीचे

1. भारतीय संगीत में प्रयोग होने वाला एक ताल वाद्य (3)
2. देवमंदिर को यह भी कहा गया है (5)
3. किशोर कुमार की अभिनेत्री पत्नी (सिर्फ नाम)(2)
4. अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहां हजरत अली की मजार है (3)
5. तह, शिकन, बल (2)
6. क्षेत्रीय (अंग्रेजी) (4)
10. सारांश, सत, कस, निचोड़ (2)
12. राजकुमार, युवराज (5)
14. मुगल सम्राट अकबर के दरबारी रत्न जिनका असली नाम महेशदास भट्ट था (4)
15. तौल की एक सूक्ष्म ईकाई जो आठ रत्ती के बराबर होती है (2)
16. पार्वती या उमा के पति होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
17. सजधज (4)
21. निदान, निष्पत्ति, निराकरण (2)
23. दुर्दशा, दुर्गति (2)

वर्ग पहेली 5599 का हल

वि	क्र	म	सा	रा	भा	ई	
शा	म	त		के	ला		क
ल		ल		श		ला	मा
का	ति	व		श	ह	ना	ई
य	ह		ब	र्मा			
	रा	ज	न		व		रा
वा			फू	ल	न	दे	वी
ह	ल	व	ल		ना	ना	

नववर्ष : बीते अनुभव, नई उम्मीदें

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

नववर्ष का आगमन हमारे जीवन में एक नई ऊर्जा और उमंग लेकर आता है। यह केवल कैलेंडर की तारीख बदलने का प्रतीक नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत है। यह समय हमें आत्ममंथन और आत्मविश्लेषण का अवसर देता है, जहाँ हम बीते वर्ष के अनुभवों को देखते हुए आगामी वर्ष के लिए योजनाएँ बनाते हैं। पिछले साल की उपलब्धियाँ, असफलताएँ, और अनुभव हमारे लिए प्रेरणा और सीख के रूप में काम करते हैं। हर नया वर्ष हमें यह अवसर देता है कि हम अपने जीवन में कुछ नया जोड़ें और अपनी पुरानी गलतियों को सुधारते हुए आगे बढ़ें।

बीते वर्ष की उपलब्धियाँ हमें गर्व से भर देती हैं। व्यक्तिगत स्तर पर, कई लोगों ने अपने करियर में प्रगति की, नई नौकरियाँ पाईं, या प्रमोशन हासिल किया। कुछ ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव किए। महामारी के बाद, स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर बढ़ी जागरूकता ने योग, ध्यान, और व्यायाम को लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनाया। छात्रों ने परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया और कई लोगों ने ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से नई स्किल्स सीखी, जो उनके करियर के लिए सहायक सिद्ध होंगी।

परिवार और समाज के स्तर पर भी यह साल महत्वपूर्ण रहा। लोगों ने अपने अपनों के साथ समय बिताने के महत्व को समझा और रिश्तों में सामंजस्य बढ़ा। व्यस्त जीवनशैली के बावजूद, परिवार और दोस्तों के साथ संवाद और समझदारी ने रिश्तों को और मजबूत किया। सामाजिक योगदान के क्षेत्र में भी महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए लोगों ने एकजुट होकर दूसरों की मदद की। राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी बीता साल प्रेरणादायक रहा। भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता ने देश को गर्व का अनुभव कराया। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल हुईं। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि जैसे कदमों ने हमें एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर किया।

हालाँकि, हर वर्ष की तरह, बीते वर्ष ने हमें असफलताओं का स्वाद भी चखाया। व्यक्तिगत स्तर पर, कई लोग अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में असफल रहे। समय की कमी, अनुशासन की कमी, या अनियोजित कार्य प्रणाली इसके प्रमुख कारण बने। स्वास्थ्य के क्षेत्र में, कुछ लोग मानसिक तनाव, चिंता, और अवसाद जैसी समस्याओं से जूझते रहे। सामाजिक और सामुदायिक स्तर पर भी चुनौतियाँ बनी रहीं। महामारी के प्रभाव ने सामाजिक और आर्थिक असमानता को बढ़ावा दिया। गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएँ स्पष्ट रूप से सामने आईं।

राष्ट्रीय स्तर पर भी आर्थिक अस्थिरता और महँगाई ने आम जनता को प्रभावित किया। छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स को संकट का सामना करना पड़ा। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी खामियाँ देखने को मिलीं। डिजिटल संसाधनों की कमी ने ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा को बाधित किया। महामारी के बावजूद, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में कमी बनी रही, जो विशेष रूप से चिंताजनक रही।

इन उपलब्धियों और असफलताओं से हमें यह सीखने का अवसर मिला कि सफलता और असफलता दोनों ही हमारे अनुभवों का हिस्सा हैं। हर सफलता हमें प्रोत्साहित करती है और हर असफलता हमें सुधार का अवसर देती है। बीते वर्ष ने हमें यह सिखाया कि आत्मविश्लेषण और योजना का महत्त्व कितना बड़ा है। असफलताओं के कारणों को समझकर, हम बेहतर योजना बना सकते हैं और अपने लक्ष्यों को यथार्थवादी और समयबद्ध तरीके से प्राप्त कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज नया वर्ष के प्रथम दिन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होने से करियर के लिए हौसला मिलेगा। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। कार्यक्षेत्र में तभी आपको लाभ हो सकता है। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष के करियर की तरफ से निराशाजनक समाचार मिल सकता है।

वृष
आज राजनीति के क्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। सरकार और सत्ता का साथ मिलेगा। नए साल में कही धार्मिक स्थल का भ्रमण के आसार हैं। बिजनेस में नए समझौतों से आपका पद और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बुरे लोगों से मिलने से परेशानी हो सकती है। बच्चों की तरफ से थोड़ी राहत मिलेगी।

मिथुन
आज व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा। नए साल में संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में अशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सांयकाल में कोई रूका कार्य पूरा होगा। बिजनेस में आपको नई डील्स का सौभाग्य प्राप्त होगा।

कर्क
आज नए साल आरंभ पर कोई उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। करियर के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। करियर के मामले में यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद और लाभदायक रहेगी।

सिंह
आज वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। नए साल पर किसी मनोरंजक स्थान पर जाने का मौका मिलेगा। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सूर्य आपका भाग्य प्रबल करेंगे। धन प्राप्ति का योग बनेगा। बिजनेस में कोशिश आपको सफलता दिलाएगी।

कन्या
आज बुध सुख की वृद्धि कर रहा हैं। नए साल में परिवार के साथ मौज मस्ती करेंगे। नौकरी-व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष के करियर संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है।

तुला
आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। बाहर जाते समय सर्तकता बरते। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेंगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। कार्यस्थल पर विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक
आज का दिन आपके बिजनेस के नाम रहेगा। परिवार के साथ सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आज आपको बिजनेस में तरक्की होगी। आज नौकरीपेशा लोगों को कुछ नए ऑफर मिल सकते हैं। आमदनी के नए स्त्रोत बनेंगे। कार्यस्थल पर बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा

धनु
आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से किसी न किसी रूप में धन लाभ हो सकता है। सांयकाल से लेकर सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे। नए साल में ईश्वर कृपा बनी रहेगी।

मकर
आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। करियर के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सांयकाल के समय पैसों के मामले में किसी से विवाद हो सकता है। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा।

कुंभ
आज करियर के मामले में आपको आंशिक सफलता ही मिल पाएगी। राशि का स्वामी शनि अब मार्गी चल रहा है। कार्यस्थल पर फिर्जूल की बहस हो सकती है। अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि और निराशता कारक है। करियर से जुड़ा कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मीन
आज करियर के मामले में कुछ चिताएं होंगी। बिजनेस के मामले में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। आज लेन-देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

क्या आरएसएस का समर्थन है? दिल्ली चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने मोहन भागवत को लिखा लेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव वाले साल की शुरुआत हो गई है। नए साल के पहले दिन आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को घेरने के लिए राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को चिट्ठी लिखी है और उनसे कई सवाल पूछे हैं। केजरीवाल ने भाजपा पर कई आरोप लगाते हुए पूछा है कि पिछले दिनों में बीजेपी ने जो भी गलत किया क्या आरएसएस उसका समर्थन करती है? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरएसएस प्रमुख से भाजपा को लेकर कई सवाल किए हैं। उन्होंने भाजपा पर पैसे बांटने, दलितों, पूर्वांचली लोगों के वोट कटवाने और जनतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाते हुए मोहन भागवत से सवाल किया कि क्या इन मुद्दों पर भाजपा को आरएसएस का समर्थन प्राप्त है? केजरीवाल ने पूछा कि भाजपा ने पिछले दिनों में जो भी गलत किया क्या आरएसएस उसका समर्थन करती है? अरविंद केजरीवाल ने लिखा, 'भाजपा के नेता खुलकर पैसे बांट रहे हैं, क्या आरएसएस वोट खरीदने का समर्थन करती है? बड़े स्तर पर दलित, पूर्वांचली के वोट काटे जा रहे हैं क्या आरएसएस का लगता है ये जनतंत्र के लिए सही है? क्या आरएसएस को नहीं लगता भाजपा जनतंत्र को कमजोर कर रही है।'अरविंद केजरीवाल ने तीन महीने पहले भी मोहन भागवत को लेटर लिखा था। तब उन्होंने पीएम मोदी के रिटायरमेंट समेत पांच मुद्दों पर सवाल पूछे थे। उन्होंने तब भाजपा पर दूसरी पार्टियों के नेताओं को तोड़ने, भ्रष्ट नेताओं को भाजपा में शामिल कराए जाने के आरोप लगाते हुए भाजपा और आरएसएस के संबंधों पर भी सवाल उठाए थे। केजरीवाल ने मोहन भागवत को नई चिट्ठी ऐसे समय पर लिखी है जब दिल्ली में कभी भी चुनाव का ऐलान हो सकता है। दिल्ली में फरवरी में चुनाव हो सकते हैं।

बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं का अड्डा बना महाराष्ट्र: भाजपा नेता किरीट सोमैया

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि महाराष्ट्र के मालेगांव में हजारों बंगलादेशी और रोहिंग्या अवैध रूप से रह रहे हैं। सोमैया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए कहा है कि पूरे देश में बंगलादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को खोज कर और उन्हें वापस भेजने का अभियान चल रहा है लेकिन महाराष्ट्र का मालेगांव तालुका बंगलादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का कारखाना बन गया है। किरीट सोमैया ने कहा है कि हजारों बांग्लादेशी फर्जी जन्म प्रमाणपत्र के जरिए अवैध रूप से भारत आए हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार को जांच कर जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। इस दौरान उन्होंने यह कहा भी कहा कि बंगलादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद सेना की मदद से सत्ता में आई अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान के उकसावे के आगे झुककर भारत को कोसने की नीति शुरू की है। उनके मुताबिक भारत और बंगलादेश के बीच तनाव का कारण पाकिस्तान है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि इस मामले में बंगलादेशियों और रोहिंग्याओं का पता लगाने के लिए महाराष्ट्र सहित पूरे देश में एक अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा है कि घुसपैठियों को जल्द ही उनके देश वापस भेजा जाएगा। इस बीच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने बुधवार को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में नौ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि एटीएस ने पिछले महीने से एक विशेष अभियान के तहत 19 मामलों में 43 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पिछले चार दिनों में मुंबई, नासिक, नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर में स्थानीय पुलिस की मदद से ताजा कार्रवाई की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर आधार कार्ड बनवाए थे।

हिमाचल प्रदेश में दर्दनाक हादसा, गहरी खाई में गिरी कार; 3 की मौत

शिमला, एजेंसी। नए साल की पूर्व संध्या पर शिमला के मतियाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें किन्नौर के तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा नेशनल हाईवे पर मतियाना के पास पेट्रोल पंप के समीप हुआ, जब एक कार गहरी खाई में गिर गई। हादसा रात करीब 11: 30 बजे हुआ, जब कार शिमला से रामपुर की ओर जा रही थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कार अनियंत्रित होकर सड़क से फिसलते हुए गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग और स्थानीय प्रशासन दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। लेकिन तब तक तीनों युवकों की मौत हो चुकी थी। हादसे में जान गंवाने वाले तीनों युवक किन्नौर जिले के रहने वाले हैं। हालांकि खबर लिखे जाने तक उनकी शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना देकर पहचान प्रक्रिया तेज कर दी है। नए साल का जश्न मनाने के बजाय तीन परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हादसे की खबर सुनकर मृतकों के परिजन गहरे सदमे में हैं।

सरपंच हत्याकांड के आरोपी वाल्मिक कराड ने किया सरेंडर, मंत्री धनंजय मुंडे का है करीबी

बीड, एजेंसी। महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी एवं बीड जिले में एक सरपंच की हत्या से जुड़े जबरन वसूली के मामले में वांटेड वाल्मिक कराड ने मंगलवार को पुणे में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के पास जाने से पहले कराड ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया जिसमें उसने आत्मसमर्पण करने की घोषणा करते हुए दावा किया कि राजनीतिक प्रतिशोध के कारण हत्या के मामले में उसका नाम जोड़ा जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि बीड के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का नौ दिसंबर को अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। सरपंच की हत्या कथित तौर पर इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने कुछ लोगों द्वारा बीड जिले में एक पवन ऊर्जा कंपनी से जबरन वसूली किए जाने की कोशिश का विरोध किया था। इस मामले में चार लोगों को पहले गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि कराड मंगलवार को अपने साथियों के साथ कार से पुणे के पाषाण इलाके में स्थित अपराध जांच विभाग (सीआईडी) कार्यालय पहुंचा और उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

कराड ने सीआईडी कार्यालय जाने से पहले एक वीडियो जारी कर कहा, ''मैं बीड जिले के केज तालुका में अपने खिलाफ दर्ज एक फर्जी मामले में पुणे में सीआईडी ??अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर रहा हूं। संतोष देशमुख (की हत्या) के मामले में शामिल लोगों को दंडित किया जाना चाहिए और उन्हें फांसी की सजा दी जानी चाहिए। मामले में मेरा नाम राजनीतिक प्रतिशोध के कारण लिया जा रहा है।'' विपक्ष ने महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान आरोप लगाया था कि कराड हत्या के इस मामले में ''मुख्य साजिशकर्ता'' है लेकिन उसे गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। सरपंच की हत्या के मामले में कराड की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शनिवार को हजारों लोगों ने बीड शहर में मौन विरोध मार्च निकाला था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सहित सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के विधायक भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। विपक्षी दलों ने राकांपा मंत्री धनंजय मुंडे पर वाल्मीक कराड के साथ घनिष्ठ संबंध होने का आरोप लगाया है और इस मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उनके इस्तीफे की मांग की है। इस बीच, संतोष देशमुख की बेटी वैभवी देशमुख ने कराड की गिरफ्तारी में देरी पर सवाल उठाया। उन्होंने अपने गांव में पत्रकारों से कहा, ''अगर आरोपी आत्मसमर्पण कर रहा है, तो पुलिस अब तक क्या कर रही थी।'' उन्होंने यह भी मांग की कि पुलिस सभी आरोपियों के 'कॉल डिटेल रिकॉर्ड' (सीडीआर) की जांच करे और पता लगाए कि वे किसके संपर्क में थे। बीड से राकांपा (शरदचंद्र पवार) के सांसद बजरंग सोनवणे ने कहा कि सीआईडी ??को मामले की पारदर्शी तरीके से जांच करनी चाहिए और अगर (जबरन वसूली के अलावा) हत्या के मामले में कराड की संलिप्तता का पता चलता है तो उसे उस मामले में भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए। कराड द्वारा स्वयं को निर्दोष बताए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में सोनवणे ने कहा, ''अगर यह एक फर्जी मामला है, तो उसे यह दावा पहले ही करना चाहिए था। उसे 20 दिन क्यों लगे? 'गुंडा राज' बर्दाश्त नहीं करेंगे, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगाः सरपंच हत्या मामले पर फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को चेतावनी दी कि बीड में 'गुंडा राज' बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। फडणवीस ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने देशमुख के भाई से टेलीफोन पर बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि मामले में न्याय होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने दिवंगत संतोष देशमुख के भाई से बात की और उनसे कहा कि उन्हें चिंता नहीं करनी चाहिए। जब ??तक दोषियों को फांसी नहीं हो जाती, पुलिस अपना काम करती रहेगी।'' उन्होंने कहा, ''बीड मामले में शामिल सभी लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा। हम गुंडा राज बर्दाश्त नहीं करेंगे। जो लोग कानून को अपने हाथ में लेने या निवासियों से जबरन वसूली करने की कोशिश करेंगे, उन्हें सख्त परिणाम भुगतने होंगे। पुलिस फिलहाल उन संदिग्धों की तलाश कर रही है जो फरार हैं। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

कटरा रोपवे विरोधः हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारी होंगे रिहा, संघर्ष समिति के साथ बातचीत करेगा पैनल

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने मंगलवार को कटरा रोपवे परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत करने के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया और घोषणा की कि उसने विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए सभी लोगों को रिहा करने का फैसला किया है. जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि नागरिक समाज के सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया. उन्होंने कहा कि चर्चा के बाद, यह निर्णय लिया गया कि हिरासत में लिए गए सभी लोगों को रिहा किया जाएगा और बाजार को फिर से खोला जाएगा. उन्होंने कहा कि दूसरी बात, जब तक समिति अपनी चर्चा पूरी नहीं कर लेती, रोपवे का काम स्थगित रहेगा. कुमार ने कहा कि उपराज्यपाल द्वारा चार सदस्यीय समिति का गठन किया गया है. कुमार और माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ समिति के सदस्यों में शामिल हैं. श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के नेताओं के साथ मौजूद संभागीय आयुक्त ने कहा कि समिति की बैठकों के दौरान सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी. समिति के एक प्रतिनिधि ने कहा कि दुकानें आज रात फिर से खोल दी जाएंगी. हमें उम्मीद है कि अब कोई इस प्रक्रिया में बाधा नहीं डालेगा. यह सबसे अच्छा फैसला होगा. श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने 25 दिसंबर को रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में प्रस्तावित रोपवे परियोजना के खिलाफ बंद का आह्वान किया था, जिसमें घोषणा की गई थी कि माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आधार शिविर कटरा शहर में सभी गतिविधियां इस अवधि के दौरान निलंबित रहेंगी।

कश्मीर में पहली बार दिखा दुर्लभ लाल पूंछ वाला व्हीटियर बर्ड, पक्षी प्रेमियों में उत्साह

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर घाटी में पक्षी प्रेमियों के लिए एक खास खुशखबरी है. बर्ड्स ऑफ कश्मीर क्लब के तीन बर्ड वाचर शेख रियाज, अंसार अहमद और इरफान जिलानी ने पहली बार दूर्लभ लाल पूंछ वाले व्हीटियर को देखा और उसकी तस्वीरें खींची हैं. यह खूबसूरत पक्षी, जिसे फारसी व्हीटियर या अफगान व्हीटियर (ओनेंथे क्राइसोपिजिया) के नाम से भी जाना जाता है, को कश्मीर में पहली बार देखा गया है. जीलानी ने बताया, हमने 22 दिसंबर को ज़बरवान पहाड़ियों में पक्षी को देखा. पक्षी की पहचान सत्यापित करने में हमें समय लगा. जब विशेषज्ञों ने इसकी पुष्टि की, तो हमने घोषणा की कि लाल पूंछ वाला व्हीटियर कश्मीर में देखा गया है. उन्होंने कहा, कश्मीर से इस पक्षी का एक नमूना अमेरिकी प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय में रखा गया है, हालांकि यह कथित तौर पर 1886 और 1891 की अवधि का है. इस बात का कोई फोटोग्राफिक सबूत नहीं था कि इस पक्षी को इस क्षेत्र में देखा गया था. हमने पहली बार इस पक्षी की कश्मीर में फोटो ली. उन्होंने कश्मीर में पक्षी विविधता के पुनरुत्थान के बारे में भी आशा व्यक्त की और कहा कई पक्षी वर्षों के बाद कश्मीर लौट रहे हैं।

ट्रैक्शन ओवरहेड के पास पतंग उड़ाना बेहद खरतनाक, रेलवे ने लोगों से की यह अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन रेलवे ने नए साल और संक्रांति त्योहार के दौरान ट्रैक्शन ओवरहेड के पास पतंग उड़ाने से बचने के लिए सलाह जारी की है, ताकी ट्रेन की आवाजाही में बाधा और बिजली के झटके की घटनाओं से बचा जा सके. रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह देखा गया है कि कई पतंगबाज रेलवे परिसर में ओवरहेड इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के पास खेलते समय बिजली के झटके से झुलस गए हैं, जिसमें यार्ड और आसपास के नागरिक इलाकों के ट्रैक शामिल हैं.

रेलवे अधिकारी ने कहा कि चीन से आयातित पतंग के धागों में बिजली का प्रवाह होता हैं, जो मानव जीवन और रेलवे के महत्वपूर्ण विद्युत ढांचे दोनों के लिए बड़ा जोखिम पैदा करते हैं. अधिकांश लोग इन चीनी धागों का इस्तेमाल करते हैं. वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने बताया, पिछले संक्रांति त्योहार के समय भारतीय रेलवे के कई क्षेत्रों द्वारा कुछ मामलों की सूचना दी गई थी, जिसमें लोगों को 25 केवी ट्रैक्शन ओवरहेड कंडक्टर में उलझे पतंग के धागे के संपर्क में आने के बाद बिजली के झटके लगे थे या करंट लग गया था.

इस मुद्दे पर बात करते हुए दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने कहा, इस संबंध में, दक्षिण मध्य रेलवे जनता से सहयोग की अपील करता है और रेलवे पटरियों के पास पतंग उड़ाने से बचने की सलाह देता है क्योंकि ओवरहेड लाइनों में हाई वोल्टेज बिजली का प्रवाह होता है और संपर्क में आने पर मानव जीवन के लिए बड़ा खतरा पैदा करती हैं. उन्होंने कहा कि विशेष रूप से, अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे ओवरहेड कंडक्टर से लटके पतंग के धागे को देखे जाने

की सूचना दें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा धागे को सुरक्षित रूप से हटाया जाए. ट्रेनों की टाइमिंग और सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक इस बीच, ट्रेनों की टाइमिंग और सुरक्षा की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई, जिसमें रेलवे के छह डिवीजनों सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ ने भाग लिया. बैठक में अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी परिसंपत्तियों और स्टेशन परिसंपत्तियों के कामकाज पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्षेत्रीय निरीक्षण तेज करने के निर्देश दिए गए हैं. रेलवे बोर्ड के सुरक्षा दिशा-निर्देशों और परामर्श का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया गया. रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से स्थानीय समुदायों को शामिल करने जैसे कई कदम उठा रहा है. पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने कहा कि यह सराहनीय प्रयास रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा आयोजित निरंतर जागरूकता कार्यक्रमों और बैठकों तथा स्थानीय समुदायों के उत्साह का परिणाम है, जिन्होंने स्वेच्छा से अपने खर्च पर बाड़ लगाने का काम किया. सामुदायिक पुलिसिंग का अनूठा उदाहरण रेलवे और स्थानीय समुदायों के बीच विश्वास और सहयोग बनाने के महत्व को दर्शाता है. शर्मा ने कहा कि यह दृष्टिकोण न केवल सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करता है, बल्कि अन्य क्षेत्रों के लिए भी उदाहरण पेश करता है।

सरकारी नौकरी के लिए आधार नंबर जरूरी, हरियाणा में लागू हुआ नया नियम

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में अब प्रथम और द्वितीय श्रेणी की सरकारी नौकरियों में आवेदन के लिए आधार नंबर देना जरूरी होगा। सरकार ने यह कदम नौकरियों में धोखाधड़ी रोकने के लिए उठाया है। मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी ने हरियाणा लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित ग्रुप ए और बी पदों के लिए परीक्षाओं में उम्मीदवारों के लिए आधार प्रमाणीकरण सेवाओं के उपयोग की अधिसूचना जारी कर दी है। एचपीएससी पोर्टल पर इन पदों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। आधार प्रमाणीकरण उम्मीदवारों की पहचान सत्यापित करने में मदद करता है, जिससे धोखाधड़ी वाले आवेदन की संभावना कम हो जाती है। यह आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाता है, सटीक और प्रमाणित डेटा सुनिश्चित करता है। उम्मीदवारों को पंजीकरण के दौरान अपना आधार नंबर देना होगा। साथ ही, भर्ती प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के दौरान बायोमेट्रिक सत्यापन से गुजरना होगा। जन्मतिथि और पते जैसे विवरणों को आधार डेटाबेस के साथ क्रॉस चेक किया जाएगा। आधार प्रमाणीकरण का उद्देश्य आवेदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना, धोखाधड़ी करने वाले उम्मीदवारों पर अंकुश लगाना और उम्मीदवारों के डेटा की सटीकता सुनिश्चित करना है। यह कदम भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता को बढ़ाएगा, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं में जनता का विश्वास और बढ़ेगा। यह निर्णय सुशासन नियम, 2020 के लिए आधार प्रमाणीकरण के नियम 5 और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के 8 मार्च, 2024 के निर्देश के तहत निर्धारित दिशा-निर्देशों की अनुपालन सुनिश्चित करेगा। चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों की भर्तियां, बाकी पर रोक वहीं, हरियाणा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रही भर्तियों पर स्वास्थ्य विभाग ने अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। केवल चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों की भर्तियां जारी रहेंगी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का अनोखा अंदाज, पेंशन वितरण के दौरान एक लाभार्थी के घर बनाई कॉफी

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार ने आज एनटीआर भरोसा पेंशन वितरण किया. मुख्यमंत्री नायडू ने पेंशन वितरण कार्यक्रम में पलनाडु जिले में लाभार्थियों को अपने हाथों से पेंशन सौंपी. कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ऐसा काम किया जिसने लोगों का दिल जीत लिया.

चंद्रबाबू का अनोखा अंदाज : पेंशन वितरण के दौरान मुख्यमंत्री ने यल्लामांडा के कुछ लाभार्थियों के घर का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने एक घर में साधारण रूप से रसोई में प्रवेश किया और परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए उनके लिए कॉफी बनाना शुरू कर दिया. उन्होंने खुद ही कॉफी पाउडर, दूध और शक्कर डालकर कॉफी बनाई और फिर सभी को गर्मागर्म कॉफी परोसी. उन्होंने परिवार के साथ बातचीत की, परिवार की समस्याओं को सुना और तुरंत कार्रवाई करते हुए बी.सी. कॉरपोरेशन के माध्यम से उन्हें दुकान खोलने में मदद करने के लिए 5 लाख रुपये का ऋण दिया. मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक अन्य परिवार से भी मुलाकात की. उन्होंने परिवार के बच्चों की शिक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने का आश्वासन दिया. उन्होंने अधिकारियों को उनकी बेटी के लिए नीट कोचिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए और उनके बेटे के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए

एस.सी. कॉरपोरेशन के माध्यम से ऋण स्वीकृत किया. इससे पहले, मुख्यमंत्री ने कोडंडा राम मंदिर में विशेष पूजा की और गांव में एन.टी.आर. की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उन्होंने चकाली नागराजू और करुणा परिवारों से भी मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें नौकरी सहायता और बुनियादी ढांचे के विकास सहित आवश्यक सहायता का वादा किया. दरअसल, एनडीए गठबंधन सरकार ने हाल ही में पेंशन राशि को दोगुना करने का फैसला किया था. इस फैसले से कमजोर वर्गों को काफी राहत मिली है. अब बुजुर्गों, विधवाओं और अन्य योग्य लाभार्थियों को 4,000 रूपए मासिक पेंशन मिलती है।

उत्तराखंड में प्रॉपर्टी खरीदना होगा मुश्किल, यूसीसी के बाद भू-कानून में भी बदलाव करेगी सरकार

देहरादून, एजेंसी। नया साल 2025 उत्तराखंड के लिए कई मायनों में अहम होने जा रहा है। सप्रशासनिक और सामाजिक बदलाव से जुड़े नए कानून तो लागू होंगे ही। साथ ही बुनियादी विकास से जुड़े अहम प्रोजेक्ट भी शुरू होंगे। राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुकी धामी सरकार की समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जहां जनवरी 2025 से लागू होने जा रही है। वहीं इसके बाद इसी साल बजट सत्र में सख्त भूकानून लाने की तैयारी भी है। सूत्रों की बात मानें तो भू-कानून ऐसे में बाहरी राज्यों के लिए प्रॉपर्टी खरीदना आसान नहीं होगा। निजी और व्यवसायिक इस्तेमाल के लिए प्रॉपर्टी खरीदने के लिए कड़े नियम बनाए जाएंगे। नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त ऐक्शन का भी प्रावधान हो सकता है। नए साल में प्रदेश के चार जिला मुख्यालय, हेली सेवा के जरिए सीधे देहरादून से जुड़ने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री उड़न खटोला योजना के तहत, पौड़ी, गोपेश्वर और केंद्र सरकार की क्षेत्रीय सम्पर्क योजना (आरसीएस) के तहत बागेश्वर और नैनीताल के लिए देहरादून से हेलीसेवा शुरू होने जा रही है। इसके साथ ही यूकाडा देहरादून से गौचर और चिन्यालीसौड़ के लिए फिक्स विंग सर्विस शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इसमें दोनों जगह 18 सीटर छोटा

विमान सेवाएं देगा। दूसरी तरफ,दिल्ली - देहरादून एक्सप्रेस वे मई माह तक पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद दिल्ली का सफर ढाई से तीन घंटे में पूरा हो सकेगा। कुल चार चरणों में हो रहे इस एक्सप्रेस वे के दो खंड पहले ही पूरे हो चुके हैं। जिसमें गणेशपुर से लेकर डाटकाली तक 12 किमी लंबा एलीवेटेड कॉरिडोर भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार, बीते तीन साल से प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प को लेकर काम कर रही है। इस लिहाज से 2025 का साल नए संकल्प लेते हुए, उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में अग्रसर करने का साल होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ संकल्प भी सरकार को इस लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

जनवरी में ही राज्य में समान नागरिक संहिता भी पूरी तरह लागू होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहले ही इसकी घोषणा कर चुके हैं। सरकार इसके लिए कानून बनाने से लेकर अन्य औपचारिकताएं पूरी कर चुकी है। 28 जनवरी से उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेल शुरू होने हैं। राज्य में पहला मौका है जबकि खेलों का इतना बड़ा आयोजन होने जा रहा है। इसमें देशभर के सैकड़ों खिलाड़ी, ट्रेनर व अधिकारी शामिल होंगे। राज्य के बीते कई साल से इसकी मेजबानी के लिए दावेदारी कर रहा था। नए साल में चारधाम यात्रा प्राधिकरण भी अस्तित्व में आएगा। सीएम के निर्देश पर 15 जनवरी तक सभी तीर्थ पुरोहितों और हितधारकों से भी सुझाव लिए जाने हैं। सीएम ने तीस जनवरी तक सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

एशिया कप, चैम्पियंस ट्रॉफी पर नजरें...

2025 में ऐसा रहेगा भारतीय टीम का शेड्यूल

नईदिल्ली, एजेंसी। नए साल का आगाज हो गया है. दुनियाभर में 2025 का स्वागत जश्न के साथ किया जा रहा है. पिछला साल भारतीय क्रिकेट के लिए मिला-जुला ही रहा है. टी20 इंटरनेशनल में भारतीय टीम ने धमाल मचाते हुए टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया. मगर वनडे और टेस्ट में उसे कई करारी शिकस्त झेलनी पड़ी हैं. इन दोनों ही फॉर्मेट में भारतीय टीम की हालत पतली नजर आई है.

2024 का आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेला, जिसमें 184 रनों से हार झेलनी पड़ी है. अब भारतीय टीम 2024 की इन कड़वी यादों को भुलाकर 2025 का जोरदार स्वागत करना चाहेगी.

सिडनी टेस्ट से होगा नए साल का आगाज

साथ ही भारतीय टीम नए साल में जीत से आगाज करने और बड़े खिताब भी जीतने का इरादा रखती है. टीम इंडिया को नए साल का अपना पहला मुकाबला भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट खेलना है. यह दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट भी होगा. फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में 2-1 से आगे है.

2025 में भारतीय टीम की पहली फ्रेश सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ होगी. जोस बटलर की कप्तानी में इंग्लिश टीम भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों टीमों के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी.

इसके बाद इसी साल भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप भी खेलना है. इसी साल 11-15 जून के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल भी खेला जाएगा. यदि भारतीय टीम क्वालिफाई करती है, तो उसके लिए अपना पहला खिताब जीतने का मौका रहेगा. आइए जानते हैं 2025 में कैसा रहेगा भारतीय टीम का शेड्यूल....

2025 में भारतीय टीम का फुल शेड्यूल

3-7 जनवरी - भारत-ऑस्ट्रेलिया सिडनी टेस्ट (सीरीज का आखिरी)
इंग्लैंड का भारत दौरा
पहला टी20- 22 जनवरी- कोलकाता
दूसरा टी20- 25 जनवरी- चेन्नई
तीसरा टी20- 28 जनवरी- राजकोट
चौथा टी20- 31 जनवरी- पुणे
पांचवा टी20- 2 फरवरी- मुंबई

पहला वनडे- 6 फरवरी- नागपुर
दूसरा वनडे- 9 फरवरी- कटक
तीसरा वनडे- 12 फरवरी- अहमदाबाद
चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 (फरवरी-मार्च)
20 फरवरी - भारत -बांग्लादेश, दुबई
23 फरवरी - भारत - पाकिस्तान, दुबई
2 मार्च - भारत- न्यूजीलैंड, दुबई
4 मार्च - सेमीफाइनल - (क्वालिफाई करने पर), दुबई
9 मार्च - फाइनल - (क्वालिफाई करने पर), दुबई

इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों टेस्ट सीरीज (जून से अगस्त तक)
पहला टेस्ट - 20-24 जून, हेडिंग्ले
दूसरा टेस्ट - 2-6 जुलाई, एजबेस्टन
तीसरा टेस्ट - 10-14 जुलाई, लॉर्ड्स
चौथा टेस्ट - 23-27 जुलाई, मैनचेस्टर
पांचवा टेस्ट - 31 जुलाई से 4 अगस्त, ओवल
आगे की सीरीज इस तरह रहेंगी...
अगस्त में - बांग्लादेश दौरे पर 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज
अक्टूबर में - वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की घरेलू सीरीज
अक्टूबर-नवंबर - टी20 फॉर्मेट में एशिया कप
नवंबर - ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 वनडे और 5 टी20 मैचों की सीरीज
नवंबर-दिसंबर - साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी20 की घरेलू सीरीज.

ये 5 भारतीय क्रिकेटर्स हो सकते हैं रिटायर

2025 में लग जाएगी संन्यास की लाइन?

नईदिल्ली, एजेंसी। 2024 में कई मशहूर क्रिकेटर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था. डेविड वॉर्नर, शिखर धवन, जेम्स एंडरसन और रविचंद्रन अश्विन सहित कई खिलाड़ियों ने अपने क्रिकेट करियर का अंत किया. वहीं रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी-20 इंटरनेशनल को अलविदा कहा. साल 2025 भी क्रिकेटर्स के संन्यास वाला रह सकता है. खासकर भारत के कई मशहूर क्रिकेटर्स 2025 में क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं. हम आपको ऐसे ही पांच सबसे चर्चित नामों के बारे में बता रहे हैं इनमें से किसी की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है तो कोई लंबे अरसे से टीम इंडिया से बाहर है. फॉर्म के साथ ही अपनी बढ़ती उम्र के चलते भी ये क्रिकेटर्स अब अपना सफर खत्म कर सकते हैं. इन सभी भारतीय दिग्गजों की उम्र 36 साल से ज्यादा है.

रोहित शर्मा

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा का 2024 में टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है. ना ही उनकी बल्लेबाजी में वो दम नजर आया और ना ही अपनी कप्तानी में वे रंग में दिखें. रिपोर्ट्स के मुताबिक 2024 की शुरुआत में सिडनी में होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट के बाद 37 वर्षीय रोहित बड़ा फैसला ले सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर सकते हैं. रोहित ने 67 टेस्ट में 4301 रन बनाए हैं. उनके नाम 12 शतक दर्ज है.

रोहित शर्मा

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा का 2024 में टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है. ना ही उनकी बल्लेबाजी में वो दम नजर आया और ना ही अपनी कप्तानी में वे रंग में दिखें. रिपोर्ट्स के मुताबिक 2024 की शुरुआत में सिडनी में होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट के बाद 37 वर्षीय रोहित बड़ा फैसला ले सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर सकते हैं. रोहित ने 67 टेस्ट में 4301 रन बनाए हैं. उनके नाम 12 शतक दर्ज है.

चेतश्वर पुजारा

चेतश्वर पुजारा ने कभी कोई टी-20 इंटरनेशनल नहीं खेला. वहीं आखिरी वनडे उन्होंने 2014 में खेला था लेकिन वे 2011 से लेकर 2023 तक लगातार भारत के लिए टेस्ट मैच खेलते रहे.

36 वर्षीय पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला था. इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं. भारत के लिए 103 टेस्ट में 7195 रन बनाने वाले पुजारा भी नए साल में क्रिकेट से रिटायर हो सकते हैं.

अजिंक्य रहाणे

36 साल के अजिंक्य रहाणे हाल ही में घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहद शानदार फॉर्म में दिखे थे. लेकिन टीम इंडिया से वे लंबे समय से बाहर हैं.

उन्होंने आखिरी टेस्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ जुलाई 2023 में खेला था. इसके बाद से वे टेस्ट टीम से बाहर हैं. अजिंक्य रहाणे भी 2025 में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट पर बड़ा फैसला ले सकते हैं. रहाणे ने 85 टेस्ट में 5 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं.

इशांत शर्मा

भारत के लिए 430 से ज्यादा इंटरनेशनल विकेट झटक चुके इशांत शर्मा ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2023 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ कानपुर में खेला था. इसके बाद से 36 साल के इशांत भारतीय टीम से दूर है.

साल 2024 खत्म हो चुका है अब देखना होगा कि इशांत अपने करियर पर नए साल में क्या फैसला लेते हैं.

धक्का विवाद पर क्लार्क बोले- विराट बुरे इंसान नहीं, उन्होंने टीम के लिए ऐसा किया

ब्रिसबेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने मेलबर्न टेस्ट में विराट के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी सैम कोंस्टास को कंधे से धक्का मारने का बचाव किया है।

क्लार्क ने कहा कि सैम दुनिया के सवश्रेष्ठ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सम्मान नहीं दे रहे थे। उनकी गेंद पर काफी शॉट खेल रहे थे। इससे विराट निराश थे। सैम के प्रति उनका व्यवहार इस वजह से होगा। उन्होंने जो कुछ किया, वह टीम के लिए किया। विराट बुरे व्यक्ति नहीं हैं।

मुझे यकीन है कि उन्होंने खेल के बाद सैम से बात की होगी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 60 रन बनाए।

● क्या थी घटना

मेलबर्न टेस्ट के दौरान पहले दिन विराट और सैम कोंस्टास के बीच झड़प हुई थी। दरअसल 10वां ओवर खत्म होने के बाद फील्डिंग चेंज के दौरान विराट ने डेब्यू कर रहे सैम कोंस्टास को कंधे से धक्के मार दिया था। इसके बाद दोनों के बीच झड़प हुई थी। वहीं इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने विराट पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया था।

क्लार्क ने सिडनी टेस्ट के ड्रॉ की भविष्यवाणी

क्लार्क ने सिडनी में होने वाले बीजीटी के आखिरी मुकाबले के ड्रॉ होने की भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा कि इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की ओर से उस्मान ख्वाजा और भारत की ओर से विराट कोहली शतक लगाने में सफल होंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी: काम नहीं आई अर्पित की सेंचुरी, पंजाब 84 रन से जीता

अभिषेक शर्मा ने बनाए 170 रन तो प्रभसिमरन के बल्ले से निकले 125 रन

नईदिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट 2024-25 के राउंड 5 मुकाबले में पंजाब का सामना सौराष्ट्र के साथ हुआ। इस मुकाबले में पंजाब की टीम को कप्तान व ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह की शतकीय पारी के दम पर 84 रन से जीत मिली। अभिषेक शर्मा को उनकी 170 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। पंजाब के खिलाफ सौराष्ट्र ने टॉस जीता था और फिर गेंदबाजी करने का फैसला किया।

इसके बाद पंजाब की टीम ने पहले खेलते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर 424 रन का विशाल स्कोर बना दिया। इसके जवाब मे सौराष्ट्र की टीम ने 50 ओवर में 367 रन बनाए, लेकिन उसे 84 रन से हार मिली। इस मैच में दोनों टीमों ने मिलकर 791 रन बनाए साथ ही इस मैच में कुल 3 शतक भी लगे।

अभिषेक ने 170 रन तो प्रभसिमरन ने खेली 125 रन की पारी

इस मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ पंजाब के

कप्तान अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह ने कमाल की पारी खेली।

दोनों पंजाब के लिए ओपन करने आए थे और पहले विकेट के लिए दोनों के बीच 298 रन की शानदार साझेदारी हुई। अभिषेक शर्मा ने 8 छक्के और 22 चौकों के साथ 96 गेंदों पर 170 रन की पारी खेली जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 8 छक्के और 11 चौकों की मदद से 95 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली। सौराष्ट्र की तरफ से प्रणव कारिया ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

अर्पित की शतकीय पारी हुई बेकार

इस मैच में सौराष्ट्र को जीत के लिए 425 रन का बड़ा टारगेट मिला था, लेकिन ये टीम इस विशाल लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई।

दूसरी पारी में सौराष्ट्र के लिए अर्पित वासवदा ने 3 छक्के और 9 चौकों की मदद से 88 गेंदों पर 104 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। इस टीम के लिए कप्तान जयदेव उनादकट ने 37 गेंदों पर 48 रन जबकि विकेटकीपर व ओपनर बल्लेबाज हार्विक देसाई ने 2 छक्के और 10 चौकों की मदद से 33 गेंदों पर 59 रन की पारी खेली। पंजाब के सबसे सफल गेंदबाज सनवीर सिंह रहे जिन्होंने 3 विकेट लिए तो अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

मुंबई के 17 साल के क्रिकेटर ने मचाया तहलका

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई के आयुष म्हात्रे ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे कम उम्र का खिलाड़ी होने का नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है.

उन्होंने हमवतन यशस्वी जयसवाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया. म्हात्रे ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मंगलवार को नगालैंड के खिलाफ विजय

यशस्वी जायसवाल का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

हजारे ट्रॉफी मैच (वनडे-50 ओवरों का मैच) के दौरान यह रिकॉर्ड तोड़ पारी खेली. म्हात्रे ने 17 साल और 168 दिन की उम्र में भारतीय सलामी बल्लेबाज जायसवाल द्वारा बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया जायसवाल 17 साल और 291 दिन के थे, जब उन्होंने 2019 में झारखंड के खिलाफ मुंबई के लिए खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की थी. इस सीजन की शुरुआत में घरेलू दिग्गज मुंबई के लिए डेब्यू करने वाले म्हात्रे ने 11 छक्कों और 15 चौकों की मदद से केवल 117 गेंदों पर 181 रन बनाए. उनकी इस पारी से मुंबई ने 50 ओवरों में सात विकेट पर 403 रन बनाए. मुंबई के विरार उपनगर के रहने वाले आयुष म्हात्रे ने इस सत्र की शुरुआत में टीम में शामिल होने के बाद से सभी प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया है.

म्हात्रे ने अब तक 6 फर्स्ट क्लास मैचों के अलावा 5 लिस्ट-ए मुकाबलों में हिस्सा लिया है.

विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज:

वैशाली के पास विश्व खिताब जीतने का सुनहरा मौका

न्यू यॉर्क, एजेंसी। फीडे विश्व शतरंज ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप के पहले दिन शतरंज के इस फटाफट फॉर्मेट के लीग चरण के मुक़ाबले खेले गए जिसमें भारत की आर वैशाली नें धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए पहले स्थान पर रहते हुए प्ले ऑफ में प्रवेश कर लिया है ।

रैपिड में अपने निराशाजंक प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए वैशाली नें ब्लिट्ज़ में हुए 11 राउंड में 8 जीत और 3 ड्रॉ के साथ बेमिशाल प्रदर्शन करते हुए 9.5 अंक बनाकर प्ले ऑफ में प्रवेश किया । अब क्वाटर फाइनल में उनका सामना चीन की जू जिनर से होगा । बड़ी बात यह रही है की वैशाली नें एक भी मुक़ाबला नहीं हारा और अपराजित रही , इस दौरान उन्होने सातवे राउंड में जॉर्जिया की नाना दगनिडजे , आठवे राउंड में पूर्व विश्व चैम्पियन रूस की गुनिना वालेंटीना और पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन रूस की पोलिना शुवालोवा को पराजित किया जबकि पांचवें राउंड में रूस की लागनों काटेरयना और और नौवे राउंड में चीन की लेई टिंगजे से ड्रॉ खेला ।

प्ले ऑफ के अन्य खियालड़ियों में चीन की लेई टिंगजे, जु वेंजून और जू जिनर , रूस की लागनों काटेरयना, गुनिना वालेंटीना, यूएसए की यिप करीस्सा और कज़ाकिस्तान की बीबिसारा असुबाएवा है।

भारत की विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी टाइब्रेक के कारण दुर्भाग्यवश नौवे स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गयी । पुरुष वर्ग में नॉर्वे के पूर्व विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन की ब्लिट्ज़ के साथ वापसी हो गयी और लीग चरण में कार्लसन तीसरे स्थान पर रहे । भारत की मुख्य उम्मीद अर्जुन एरिगासी और प्रज्ञानन्दा आर प्ले में जगह नहीं बना सके ।

दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला गेंदबाजी रैंकिंग में 5वें स्थान पर

दुबई, एजेंसी। भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ स्वदेश में हाल में संपन्न श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से 5वें पायदान पर पहुंच गईं। शीर्ष पांच में जगह बनाने वाली दीप्ति के अब 665 रेटिंग अंक हैं और वह चौथे स्थान पर चल रही दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप से 12 अंक पीछे हैं। सत्ताइस साल की दीप्ति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैच में 8 विकेट चटकाए थे जिसमें अंतिम मैच में 31 रन देकर छह विकेट भी शामिल है।

भारत ने वडोदरा में यह एकदिवसीय श्रृंखला 3-0 से जीतकर क्लीनस्वीप किया था। बल्लेबाजों की सूची में जेमिमा रोड्रिग्स 537 अंक के साथ शीर्ष 20 में जगह बनाने के करीब हैं। श्रृंखला में 29 और 52 रन की पारियां खेलकर वह चार स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं। आक्रामक बल्लेबाज रिचा घोष भी सात स्थान के फायदे से 41वें पायदान पर हैं।

उनके 448 रेटिंग अंक हैं। वेस्टइंडीज की चिनेल हेनरी तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक की बदौलत 21 स्थान की लंबी छलांग के साथ 65वें स्थान पर हैं। श्रृंखला में दो अर्धशतक बनाने वाली भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (720 अंक) हालांकि एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट (773) और श्रीलंका की चामरी अटापट्टू (733) उनसे आगे हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर तीन स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर हैं। वडोदरा में अपने करियर की सातवां एकदिवसीय शतक जड़ने वाली हेली मैथ्यूज छह स्थान के फायदे से बल्लेबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

पुलिस द्वारा महिला के साथ लूट की घटना कारित करने वाले बाईक सवार नकाबपोशों को घटना के 06 घन्टे के अन्दर किया गया गिरफ्तार

आरोपियों द्वारा महिला के साथ झीना झपटी कर चौन स्नैचिंग का प्रयास एवं मोबाइल लूटने की घटना को दिया गया था अँजाम

04 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से घटना मे प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल एवं एक छीना हुआ मोबाइल कुल कीमती करीब 55000/-रूपये का किया गया जप्त

पन्ना। दिनांक-30.12.2024 को फरियादिया द्वारा थाना कोतवाली पन्ना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि सुबह करीब 8.00 बजे वह अपने बच्चे को स्कूल बस में बैठाने के लिये रोड तरफ गयी थी जहाँ मे एक्सेस बैंक के पास बस के आने का इंतजार कर रही थी तभी अचानक एक काले रंग की डीलक्स मोटरसायकिल में दो अज्ञात व्यक्ति मुंह बांधकर आये, उनमें से एक व्यक्ति मोटरसायकिल से उतरा और झटके से मेरा मोबाईल झपटकर छीन लिया और मेरा सोने का मंगलसूत्र छीनने का प्रयास किया मेरे विरोध करने एवं चिल्लाने पर दोनो व्यक्ति मोटरसायकिल से भाग गये फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पन्ना में अपराध क्र.1194/2024 धारा-304 (2)बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही-उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना साईकृष्ण एस थोटा द्वारा मामले के आरोपियों की पतारसी कर गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती आरती सिंह एवं एस.डी.ओ.पी. पन्ना एस. पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी कोतवाली निरी0 रोहित मिश्रा के नेतृत्व मे पुलिस टीम का गठन किया गया। मामले मे पुलिस टीम द्वारा अज्ञात आरोपी की पतारसी एवं गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किये गये, साथ ही पुलिस टीम द्वारा सीसीटीव्ही फुटेजों का खंगाला गया। सीसीटीव्ही फुटेज एवं मुखबिर सूचना के आधार पर मामले में 01 संदिग्ध व्यक्ति रोशन सिंह यादव पिता गट्टे उर्फ त्रिलोक यादव एवं रमेश सिंह यादव दस्तयाब किया गया, दोनो आरोपियों से पूंछतांछ पर उनके द्वारा बताया गया की मुकेश साहू पिता स्वरूप साहू व रामांश तिवारी पिता सुनील तिवारी के साथ मिलकर मंगलसूत्र छीनने की योजना बनाई थी, किन्तु मंगलसूत्र ना छीन पाने के कारण फरियादिया के हाँथ से मोबाईल छीन ले गए थे। उक्त पुलिस टीम द्वारा मामले मे चारों आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्याय0 पेश किया गया।

जप्त सामाग्री में एक घटना मे प्रयुक्त एक सीडी डीलक्स मोटरसाईकिल, एक छीना हुआ मोबाइल ,आरोपियों के पास से 04 मोबाईल कुल कीमती करीब 85000 रूपए जप्त किया गया।

नाम पता आरोपी में 1.रोशन सिंह यादव पिता गट्टे उर्फ त्रिलोक यादव उम्र 25 वर्ष निवासी पटी बजरिया। 2. रमेश सिंह यादव पिता दशरथ सिहं यादव उम्र 30 वर्ष निवासी पटी बजरिया थाना कोतवाली। 3. मुकेश साहू पिता स्वरूप साहू उम्र 27 वर्ष निवासी टौराह थाना अमानगंज हाल राजाबाबू कालोनी। 4. रमेश यादव रोशन यादव व रामांश तिवारी पिता सुनील तिवारी उम्र 22 वर्ष निवासी दहलान चौकी पन्ना।

सराहनीय योगदान में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित मिश्रा, उप निरीक्षक मनोरमा देवी मौर्य, प्रआर. बृषकेतु रावत,अभिषेक सिंह यादव, संदीप पटेल, विकास सिंह, नीलेश, शिवप्रताप एवं सीसीटीव्ही कंट्रोल रूम से माआर. विनीती परमार, प्रआर,विपिन पांडे, आर. सत्यनारायण अग्निहोत्री, घनश्याम पटेल तथा सायबर सेल पन्ना का सराहनीय योगदान रहा।

ग्यारह वर्षीय बालक की जमीन पर पटक कर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

पन्ना। पन्ना जिले के शाहनगर थाना अन्तर्गत ग्राम सुडोर में मामुली विवाद पर एक व्यक्ति द्वारा 11 वर्षीय बालक को सड़क पर पटक कर हत्या करने की घटना सामने आई है, जानकारी के अनुसार फरियादी धर्मेन्द्र चौधरी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई की मेरा भतिजा गांव मे ही किराना दुकान के पास खड़ा था, उसी दौरान गांव का सुनील चौधरी मुझसे विवाद करने लगा, तो मेरे भतिजे चिराग ने विवाद करने से मना किया तो आरोपी सुनील ने उसे उठाकर जमीन पर पटक दिया जिससे सिर तथा अनेक अंगो मे उसे गंभीर चोटे आई, तत्काल हम लोग घायल चिराग को कटनी ईलाज के लिए ले गये लेकिन स्थिती गंभीर होने के चलते मेडिकल कालेज जबलपुर रेफर कर दिया गया। वहां पर ईलाज के दौरान चिराग की मौत हो गई। धर्मेन्द्र की रिपोर्ट पर आरोपी सुनील के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया। तथा आरोपी सुनील को पुलिस द्वारा मैहर से गिरफ्तार करते हुए न्यायालय मे पेश किया गया।

निरपत सागर व लोकपाल सागर तालाब से शहरवासियों को हो रही पेयजल की व्यवस्था

पन्ना। प्रतिवर्ष की तरह एक वर्ष 2024 भी गुजरा 2025 का आगमन बात करें विकास की तो कुछ खास बदलाव अभी जमीनी स्तर पर खासकर जरूरत पुरजोर है जो उसकी बात करें तो पेयजल व्यवस्था पन्ना नगर को लेकर मानी जाती है जहां ग्रीष्म ऋतु आते ही अल्टरनेट पानी की व्यवस्था मानी जाती है। क्योंकि वर्षारूपी जल जो यहां के स्टेट के समय के बने तालाबों में आता है जिनमें प्रमुखतौर पर निरपत सागर माना जाता है वहीं लोकपाल सागर से भी कुछ पेयजल तो वहीं सिंचाई व्यवस्था के लिये वर्षारूपी जल का उपयांग होता है। बदलाव को लेकर पेयजल व्यवस्था में कोई परिवर्तन पटल पर अभी तक उपयोग को लेकर नहीं कहा जा सकता प्रयास जरूर माने जा रहे है जिसको लेकर किलकिला फीडर कैनाल का कार्य अभी भी पूर्ण नहीं। वर्षारूपी जल को धरम सागर तालाब में पहुंचाने को लेकर कार्य किये जाने के लिये कब तक पूर्ण होगा यह भी एक प्रगति पथ कहें पर वास्तव में आज भी पन्ना नगर वासियों की प्यास वर्षारूपी जल पर ही आधारित है। अगर बारिस नहीं हुई किसी वर्ष तो हाहाकार पेयजल को लेकर सामने आती है आम आदमी के सामने समस्या। आखिर पानी की जरूरत को लेकर लंबे अर्से से माना जाता है वहीं निरपत सागर ही पेयजल का प्रमुख आधार कह सकते है। आखिर आबादी बढ रही है पर पेयजल को लेकर भावी भविष्य के लिये क्या तय हो रहा है जो पटल पर जाना जाये, यह तो जिम्मेदार ही जानें। विकास को लेकर पन्ना को बीते वर्ष में बदलाव को लेकर कृषि महाविद्यालय भी जुगाड़ के रूप में संचालित है वहीं कुछ खास बदलाव नहीं चर्चा में पन्ना के लिये मेडिकल कॉलेज वह भी कहां और कब बनेगा। जिसको लेकर अभी कुछ खास नहीं वहीं रेलवे का कार्य भी प्रगति के लिये माना जाये विकास पूर्ण बदलाव को लेकर विशेष बीते वर्ष में कुछ खास नहीं देखना यह है कि नव वर्ष 2025 में प्रमुख समस्या पेयजल व आवागमन को लेकर रेलवे का संचालन पूर्ण होता है कि नहीं। वहीं स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर मेडिकल कॉलेज की बात सपनों में साकार होगी कि नहीं फिलहाल जिला अस्पताल में ही बेहतर प्रबंधन व चिकित्सकों की आज भी जरूरत बनी हुई है।

लेखापाल राम सिंह हुए सेवा निवृत्त

पवई। जिला अंत्यावसायी पन्ना मे लेखापाल पद पर पदस्थ राम सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 08 पवई की मंगलवार को कार्यालय जिला अंत्यवसायी पन्ना मे भावभीनी विदाई दी गई उन्होंने उक्त कार्यालय मे लगभग चालीस वर्षों तक अपनी सेवाएं दी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य किया कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ द्वारा शाल, फूलमालाओं एवं स्मृति चिन्ह भेट कर विदाई दी गई।

कंपाउंडर रमेश रैकवार हुए सेवानिवृत, भव्य विदाई समारोह आयोजित

नन्हे कलाकारों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां

अमानगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज में बीते लगभग 40 वर्षों से सेवाएं दे रहे कंपाउंडर रमेश रैकवार आज शासकीय सेवाओं से सेवानिवृत हुए। जिनकी सेवानिवृत्ति पर आज दिनांक 31 दिसंबर 2024 दिन मंगलवार को अस्पताल परिसर में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें नन्ही कलाकार प्रज्ञा पाराशर एवं उनकी वाद्य मंडली द्वारा विभिन्न मनमोहक स्वागत गीत एवं विदाई गीतों की प्रस्तुतियां दी गई। विदित हो कि प्रज्ञा पाराशर डॉ राहुल पाराशर की भतीजी है। इस मौके पर विभिन्न वक्ताओं ने रमेश रैकवार की कार्यशैली की भारी प्रशंसा की और उनके द्वारा सेवा एवं समर्पण भाव से किये कार्य को सराहा गया।

पटना तमोली में चार दिवसीय सामवेद यज्ञ का हुआ समापन

पन्ना। जिले के ग्राम पटना तमोली में चार दिवसीय सामवेद परायण महायज्ञ का आयोजन किया गया है। जिसमें चार दिनो तक अनुष्ठान चलता रहा, तथा समापन अवसर पर विशाल भंडारा आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र के हजारो लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। उक्त धार्मिक कार्यक्रम में पूज्य स्वामी ऋतस्पति आर्य गुरुकुलम नर्मदापुरम, पूज्य स्वामी यज्ञदेव जी (यज्ञविधा ज्ञाता पतंजलि योगपीठ हरिद्वार), पूज्य आचार्य सत्यव्रत जी (रोहित हरियाणा) राजवीर जी, (भजनोपदेशक, सहारनपुर), आचार्य दीपक जी आर्य (वेदपाठी), आर्य मोहन जी श्रुतबन्धु (वेदपाठी) आदि विद्वानों द्वारा उक्त यज्ञ कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

गुनौर में संपन्न हुई अल्पविराम परिचय कार्यशाला

प्रतिभागियों ने जाना स्वयं में आनंद की पहली सीढ़ी

पन्ना। लोगों में आनंद की अनुभूति कराने तथा उनके दैनंदिनी कार्यों में सकारात्मक भाव बढ़ाने की दृष्टि से राज्य आनंद संस्थान के तत्वाधान में प्रदेश में चल रहे एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन 27 दिसंबर को गुनौर के जनपद पंचायत के बीआरसी सभागार में किया गया। उक्त कार्यशाला में पंचायत विभाग, महिला बाल विकास, नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी शामिल हुए। कार्यशाला की शुरुआत राज्य आनंद संस्थान के आनंद विभाग से श्रीमती सीता चतुर्वेदी मास्टर ट्रेनर, सतानंद पाठक मास्टर ट्रेनर, सुरेश त्रिपाठी मास्टर ट्रेनर, निर्मल कुमार मिश्रा ,खंड पंचायत अधिकारी एस एन गर्ग एवं प्रतिभागियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का आयोजन किया गया। आनंद विभाग से श्री सुरेश त्रिपाठी ने आनंद की ओर सत्र लेते हुए लोगों को आनंद विभाग का परिचय कराया। साथ ही हमारे जीवन में आनंद क्या है? किन चीजों से आनंद बढ़ता-घटता है, के बारे में बताया। इस पर प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद मास्टर ट्रेनर श्री सतानंद पाठक ने जीवन का लेखा जोखा बताया, साथ ही सीता चतुर्वेदी ने फ्रीडम ग्लास के माध्यम से जीवन की गलतियों को सुधारने के तरीके से अवगत कराया। इसके साथ ही मास्टर ट्रेनर सुरेश त्रिपाठी ने संपर्क सुधार और सुदिशा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। मास्टर ट्रेनर निर्मल मिश्रा द्वारा जीवन में आनंदित रहने के कार्यों एवं क्रिया कलापों पर प्रकाश डाला। खंड पंचायत अधिकारी एस एन गर्ग ने भी जीवन को आनंद प्रदान करने वाले अनुभवों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अल्प विराम कार्यक्रम में विकासखंड के 60 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम की समाप्ति पर आनंद विभाग की टीम के द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। प्रतिभागियों द्वारा अपनी अभिव्यक्ति में बताया गया कि तनाव से मुक्ति के लिए अल्पविराम एक महत्वपूर्ण टूल है ,इसको गहराई के साथ समझा है ।जीवन मे 'क्षमा मांगो क्षमा करो' आनंदित रहने का सबसे बड़ा मंत्र है। कार्यक्रम के अंत मे खंड पंचायत अधिकारी एस एन गर्ग ने सभी मास्टर ट्रेनर्स एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु यातायात पुलिस द्वारा माल वाहक वाहनों में लगाये गये रेडियम व रिफ्लेक्टर टेप

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस थोटा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती आरती सिंह के निर्देशन में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सभी प्रकार के माल वाहक वाहनों में रेडियम टेप लगाये जाने हेतु अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसके तारतम्य में थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक नीलम लक्षकार द्वारा सभी प्रकार के माल वाहक वाहनों जैसे की ट्रक, ट्रैलर, डम्फर सहित ट्रैक्टर ट्रालियों में यह रेडियम टेप लगाये गये। यह अभियान बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और रात के समय वाहनों की दृश्यता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। माल वाहक वाहनों के पीछे लगा यह रेडियम टेप रात के अंधेरे में चमकता है, जिससे अन्य वाहन चालकों को माल वाहक वाहन आसानी से दिखाई देता है और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जाती है, खासकर धुंध, कोहरा, बारिश के मौसम में, रेडियम टेप वाहन की पहचान को और अधिक स्पष्ट करता है, जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। अभियान के दौरान सभी वाहन मालिकों /चालकों को समझाइस दी गयी कि रेडियम टेप वाहन के निर्धारित स्थानों पर ठीक से लगावायें, और रेडियम टेप की स्थिति अच्छी हो। इस नियम का पालन करना सभी वाहन मालिकों/चालकों का दायित्व है। थाना प्रभारी यातायात नीलम लक्षकार का कहना है कि, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और दुर्घटनाओं को कम करने में यह अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, अब रेडियम टेप लगाना कानूनी रूप से अनिवार्य है और इसका पालन न करने पर जुर्माना लगाया जा सकता है। रेडियम टेप लगे होने से गाडियों में रोशनी पड़ते ही चालकों को वाहन का आभास हो जायगा जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा। इस दौरान सहायक उपनिरीक्षक महेश तिवारी, प्रधान आरक्षक, सुनील पान्डेय, कमलेश सिंह, उमा प्रसाद आदि उपस्थित रहें।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय महेवा की जमीन पर अतिक्रमणकारियों ने किया कब्जा

कलेक्टर से अतिक्रमण हटाने ग्रामवासियों ने लगाई गुहार

पन्ना। अतिक्रमण कारियों द्वारा शासकीय जमीनो पर लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है, विद्यालयों, तालाबो, मंदिरो, सहित अन्य स्थानो की जमीनो पर लोगो द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया जाता है तथा उसमें मकान बना लिये जाते है, जिससे संबंधित संस्था को परेशानी का सामना करना पड़ता है, इसी प्रकार का मामला अमानगंज तहसील अन्तर्गत ग्राम महेवा में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महेवा के माध्यमिक खंड के पास जहां पर पूर्व में शौचालय बना हुआ था तथा विद्यालय का खेल मैदान था, उक्त जमीन पर ग्राम के ही राम गोपाल वर्मन एवं उनके परिवार के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर रखा है तथा मकान का निर्माण भी कर लिया गया है। जिससे बच्चो को खेलने एवं धूप मे अध्ययन करने को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय समाजसेवी सुरेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा तत्काल उक्त अतिक्रमण हटाये जाने की मांग की गई है, उक्त आवेदन पर कलेक्टर कार्यालय द्वारा तहसीलदार को अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देश दिये गयें है।

सहकारी समिति में भारी अनिमितताए, जांच कराये जाने की मांग

पन्ना। मछुआ सहकारी समिति सिमरी सूरत महेवा में भारी अनिमित्ताओं का मामला प्रकाश मे आया है, जिसके संबंध मे स्थानीय लोगो ने जिला कलेक्टर को आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की गई है, आवेदन में बताया गया कि सिमरी सूरत बांध का दस वर्षीय मत्सय पालन हेतु पट्टा प्रदान किया गया था, उसके बावजूद नियमो के विपरीत क्षेत्र के एक दबंग व्यक्ति द्वारा बाहरी लोगो को बुलाकर मछली पालन का कार्य किया जा रहा है, तथा जिन लोगो को पट्टा दिया गया था, उनके साथ विवाद किया जा रहा है, मछली पालन विभाग के निर्देश अनुसार मछुआ समाज के लोगो को ही प्राथमिकता देकर लाभ देने तथा जीवन यापन करने का नियम है, उसके बावजूद संबंधित लोगो द्वारा अनाधिकृत रूप से कब्जा कर रखा है। स्थानीय लोगो ने संबंधित दंबग व्यक्तियों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

रजनी बागरी का रेन्जर के पद पर हुआ चयन

पन्ना। जिले की देवेंद्रनगर तहसील अन्तर्गत ग्राम तिघरा बुजुर्ग के किसान परिवार मे जन्मी बेटी रजनी बागरी का रेन्जर के पद पर चयन हुआ है, जिसको लेकर पूरे गांव तथा क्षेत्र में खुशी का माहोल है, रजनी बागरी रामाधार बागरी तथा गुड्डी बागरी की बेटी है जो एक साधारण किसान परिवार है, लेकिन उन्होने अपनी बेटी को पढाने में कोई कसर नहीं छोड़ी तथा बेटी ने भी लगन एवं मेहनत से उक्त सफलता हासिल की है, इसी का परिणाम है कि एमपी पीएससी वर्ष 2023 में उनका चयन रेन्जर के पद पर हुआ है। रजनी बागरी के भाई दीपक बागरी कृषी विस्तार अधिकारी कल्दा के पद पर पदस्थ है, उन्होने अपनी प्रारंभिक शिक्षा देवेन्द्रनगर मे की है, इसके बाद वर्ष 2016 में पंडित जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से बीटेक की डिग्री प्राप्त की है।

बैंकिंग सेवा दस बजे से चार बजे तक निर्धारित

पन्ना। लीड बैंक अधिकारी शमा बानो द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि बैंको के खुलने तथा बंद होने का समय एक जनवरी 2025 से परिवर्तित किया गया है, जिसमें ग्राहको के लिए बैंकिंग संव्यवहार का समय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक नियत रहेगा। इस संबंध में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा निर्देश प्राप्त हुए थे। साथ ही गत माह जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भी बैंकिंग समय परिवर्तन का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया था।

फरियादी के साथ धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को पुलिस ने पटना से किया गिरफ्तार

आरोपी द्वारा फरियादी को लिंक भेजकर की गई थी करीब 01 लाख रूपये की धोखाधड़ी

पन्ना। पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन सागर प्रमोद कुमार, उप पुलिस महानिरीक्षक छतरपुर रेन्ज छतरपुर श्री ललित शाक्यवार व पुलिस अधीक्षक पन्ना साईं कृष्णा एस. थोटा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती आरती सिंह व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अजयगढ़ राजीव सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी अजयगढ़ उनि रवि सिंह जादौन के नेतृत्व में थाना अजयगढ़ पुलिस टीम द्वारा फरियादी के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में 01 आरोपी को पटना से गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 18/08/22 को फरियादी मयंक दुबे उम्र 29 वर्ष निवासी उदयपुर द्वारा थाना अजयगढ़ में रिपोर्ट की गई कि मेरी बहिन द्वारा एजीबीटी दिल्ली में स्टेनोग्राफर की बैकेन्सी के लिये ऑफलाइन तरीके से आवेदन जमा किये जाने हेतु स्पीड पोस्ट किया गया था। आवेदन भेजने के कुछ दिनो के बाद एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा मुझे फोन करके बोला गया कि आपने जो आवेदन स्पीड पोस्ट किया है उसमें कुछ कमी रह गई है । कमी पूर्ती हेतु उस व्यक्ति द्वारा मुझे व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजी गई । मेरे द्वारा उस लिंक में चाही गई जानकारी भरी गई जिसके बाद मेरे एस.बी.आई. बैंक खाता से कुल 99771 रूपये की राशि उक्त अज्ञात व्यक्ति द्वारा छलपूर्वक आहरित कर ली गई है । फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 410/22 धारा 420 भादवि का कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस. थोटा द्वारा मामले को गंभीरता से लिया गया। मामले में पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशानुसार अजयगढ़ थाना स्तर पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम की सहायतार्थ पुलिस सायबर सेल टीम पन्ना को पुलिस टीम में शामिल किया गया। मामले में गठित पुलिस टीम द्वारा अज्ञात आरोपी की तलाश पतारसी एवं फरियादी के बैंक खाता से आहरित राशि वापस दिलाये जाने हेतु लगातार प्रयास किये गये। पुलिस टीम द्वारा मामले में अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस सायबर सेल टीम पन्ना से मिली जानकारी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर गठित पुलिस टीम द्वारा दिनांक 29/12/24 को मामले में एक संदेही व्यक्ति को थाना बहादुरपुर पटना बिहार से पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर पूँछताछ की गई। जिसके द्वारा फरियादी के साथ धोखाधड़ी किया जाना स्वीकार किया गया। पुलिस टीम द्वारा उक्त आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी के कब्जे से धोखाधड़ी पूर्वक आहरित किये गये रूपयों से खरीदा गया मोबाइल एवं 1 हजार रूये नगद जप्त किये गये है। शेष राशि आरोपी द्वारा दैनिक खर्चो में खर्च करना बताया गया है। मामले में विवेचना जारी है।

गिरफ्तार आरोपी में 1. मनीष कुमार पासवान उम्र 28 वर्ष निवासी रामपुर थाना बहादुरपुर, पटना बिहार

जप्त मशरूका में पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल कीमती करीब 10 हजार रूपये एवं 01 हजार रूपये नगद कुल मशरूका कीमती करीब 11 हजार रूपये का जप्त किया गया है।

सराहनीय योगदान - उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी अजयगढ़ उनि रवि सिंह जादौन, प्रभारी सायबर सेल उनि अनिल सिंह राजपूत, सउनि जौहर सिंह, प्र.आर. विनोद कुमार, शंकर प्रताप सिंह बुन्देला, जयेन्द्र पाल आर. सुशील मिश्रा, भूरी सिंह, महेन्द्र प्रजापति, अमित द्विवेदी एवं पुलिस सायबर सेल टीम पन्ना से प्र.आर. राहुल सिंह बघेल, आशीष अवस्थी, धर्मेन्द्र सिंह राजावत, आर. राहुल पाण्डेय, नितिन नवराज का सराहनीय योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा उपरोक्त पुलिस टीम को पुरुस्कृत किये जाने की घोषणा की गई है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, गुरुवार 02 जनवरी 2025 | 8

नगर निगम रीवा द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य में मिलन समारोह का आयोजन टाउन हॉल में किया गया। कार्यक्रम में निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे उपस्थित रहे एवं उन्होंने सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए टीम भावना और एकजुटता पर बल दिया।

सीएम राइज स्कूल से शिक्षा की गुणवत्ता में हो रहा सुधार

सीएम राइज स्कूल बनने के बाद बेहतर हुए 12वीं परीक्षा के परिणाम

रीवा। विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की आधुनिक शिक्षा देने के लिए जिले भर में सीएम राइज स्कूल स्थापित किए गए हैं। रीवा जिले में प्रथम चरण में 12 स्कूलों को इस परियोजना में शामिल किया गया है। सीएम राइज स्कूलों का संचालन आधुनिक उत्कृष्ट स्कूलों की तरह किया जा रहा है। इनमें पठन-पाठन की सुविधाओं, भवन आदि से लेकर पाठ्यक्रम तक में सुधार किया गया है। नवीन भवनों का निर्माण पूरा होने के बाद सीएम राइज स्कूल आवासीय विद्यालय की तरह विद्यार्थियों को आवास और भोजन की सुविधा देने के साथ आधुनिक शिक्षा देंगे। सीएम राइज स्कूलों में आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब, ऑडिटोरियम, खेलकूद की व्यवस्था, आधुनिक क्लासरूम की व्यवस्था की जा रही है।

इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि सीएम राइज स्कूलों में चुने हुए शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जा रहा है। नई पद्धति से पढ़ाई करने के बाद सीएम राइज स्कूलों में कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में सुधार हुआ है। वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में 3 स्कूलों को छोड़कर शेष 9 स्कूलों के परीक्षा परिणाम बेहतर हुए हैं। कक्षा 12वीं में 2023 में शासकीय उमावि डभौरा में 67 प्रतिशत, उमावि कन्या सेमरिया में 32.6 प्रतिशत, शासकीय पीके कन्या उमावि रीवा में 74 प्रतिशत, शासकीय उमावि रघुराजगढ़ में 58.33 प्रतिशत, शासकीय उमावि ढेरा में 37.71 प्रतिशत, उत्कृष्ट उमावि सिरमौर में 37.16 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा। इसी तरह उत्कृष्ट उमावि मऊगंज में 48.05 प्रतिशत, उमावि बालक मनगवां में 54.1 प्रतिशत, उमावि रायपुर कर्चुलियान में 53.31 प्रतिशत, उमावि गौरी में 70 प्रतिशत, उमावि बालक देवतालाब में 26.8 प्रतिशत तथा उमावि त्योंथर में 44.9 प्रतिशत रहा।

कमिश्नर ने बताया कि सीएम राइज स्कूल बनने के बाद 2024 में शासकीय उमावि डभौरा में 54.36 प्रतिशत, उमावि कन्या सेमरिया में 86.62 प्रतिशत, शासकीय पीके कन्या उमावि रीवा में 90.68 प्रतिशत, शासकीय उमावि रघुराजगढ़ में 49.12 प्रतिशत, शासकीय उमावि ढेरा में 92.86 प्रतिशत, उत्कृष्ट उमावि सिरमौर में 69.88 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा। इसी तरह उत्कृष्ट उमावि मऊगंज में 66.49 प्रतिशत, उमावि बालक मनगवां में 61.75 प्रतिशत, उमावि रायपुर कर्चुलियान में 79.83 प्रतिशत, उमावि गौरी में 66.67 प्रतिशत, उमावि बालक देवतालाब में 50.62 प्रतिशत तथा उमावि त्योंथर में 33.94 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा।

नगर निगम क्षेत्र में शिविरों का आयोजन जारी

रीवा। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान 11 दिसंबर से संचालित है। अभियान 26 जनवरी 2025 तक आयोजित किया जायेगा। इस संबंध में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवड़े ने बताया कि अभियान के दौरान केन्द्र एवं राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राहीमूलक योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को लाभांवित किया जा रहा है। अभियान में शिविर लगाकर लोगों की विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित स्थलों में शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभांवित करें। आयुक्त ने बताया कि अभियान के तहत 2 जनवरी को प्रधानमंत्री आवास परिसर गोल क्वाटर्स में शिविर लगाया जायेगा।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर आश्रित को मिलेंगे दो लाख रुपए

रीवा। जिले में विभिन्न कारणों से बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन दुर्घटनाओं में कई व्यक्ति अपनी जान गवां देते हैं। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों का भी जीवन कठिन हो जाता है। अब तक अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मृतक के आश्रितों को सोलेशियम फण्ड से 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी। इसके स्थान पर हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 लागू की गई है। इस योजना से अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर मृतक के आश्रितों को दो लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। योजना की मानीटरिंग के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। इसमें पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। कलेक्टर इस समिति में एक स्वयंसेवी सदस्य को नामांकित करेंगे। बीमा कंपनी के अधिकारी को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर पीड़ित व्यक्ति तहसीलदार अथवा एसडीएम को निर्धारित प्रपत्र में सहायता राशि के लिए आवेदन प्रस्तुत करेंगे। आवेदन पत्र के साथ दावाकर्ता के बैंक खाते की छायाप्रति, अस्पताल में उपचार कराने के बिल, घायल अथवा मृतक की पहचान तथा पता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके साथ-साथ पुलिस में दर्ज एफआईआर की प्रति, दावा करने वाले की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण पत्र, मौत की स्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं गंभीर चोट होने पर एमएलसी रिपोर्ट देना आवश्यक होगा। इसका आवेदन करने पर संबंधित जाँच दावा अधिकारी तहसीलदार अथवा एसडीएम 30 दिवस में अपनी जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर इस रिपोर्ट पर 15 दिवस में आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित को सहायता राशि का भुगतान कराएंगे तथा परिवहन आयुक्त को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे।

आनंद उत्सव मनाने के लिए जिला स्तरीय समिति गठित

रीवा। शासन के निर्देशों के अनुसार जिले में 14 जनवरी से 28 जनवरी तक आनंद उत्सव मनाया जाएगा। इसके तहत जिला और विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न आयोजन होंगे। आनंद उत्सव मनाने के लिए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। समिति में सदस्य के रूप में आयुक्त नगर निगम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा उप संचालक खेल एवं युवा कल्याण को शामिल किया गया है। समिति में सभी एसडीएम, उप संचालक जनसम्पर्क, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला संयोजक आदिमजाति कल्याण, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण, जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केन्द्र तथा डॉ मुकेश येंगल प्रतिनिधि राज्य आनंद संस्थान को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। नोडल अधिकारी आनंद विभाग तथा संभागीय समन्वयक जनअभियान परिषद प्रवीण पाठक को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है।

समीक्षा बैठक तीन जनवरी को

रीवा। विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में वर्ष 2017-18 से वर्ष 2024-2025 तक की सड़क निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा की जायेगी। यह बैठक दोपहर बाद 3 बजे से तीन जनवरी को आयोजित की गयी है।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक 6 जनवरी को

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में अपरान्ह एक बजे से आयोजित की गयी है।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हितग्राहियों के लिए मानक प्रक्रिया एवं आवश्यक निर्देश

रीवा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुष्मान भारत योजना डॉ. योगेश भरसट ने आयुष्मान भारत योजना में हितग्राहियों को निःशुल्क उपचार प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं और निर्देशों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं और निर्देशों का पालन करके हितग्राही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत नि:शुल्क उपचार का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकते हैं। हितग्राही अस्पताल पहुँचने के बाद सबसे पहले आयुष्मान योजना के लिए पंजीकृत कियोस्क का पता करें और अपने दस्तावेज़, जैसे आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी, पात्रता पर्ची, संबल कार्ड या एदृक्जू कार्ड को आयुष्मान मित्र को दिखाएं। पात्रता सत्यापन के दौरान आयुष्मान मित्र आपके आयुष्मान कार्ड और आधार/समग्र आईडी का मिलान करेगा और उपचार के लिए अस्पताल की पात्रता सुनिश्चित करेगा। सत्यापन के बाद, आयुष्मान मित्र आपको नि:शुल्क उपचार की प्रक्रिया समझाएगा और चिकित्सीय परामर्श तथा उपचार की प्रक्रिया शुरू होगी।

उपचार के दौरान हितग्राही को किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी उपकरण, दवा या सेवा के लिए अस्पताल द्वारा अतिरिक्त राशि चार्ज की जाती है, तो हितग्राही को तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर इसकी जानकारी देनी चाहिए। उपचार पूरा होने के बाद डिस्चार्ज के समय निल (शून्य बकाया) राशि का बिल प्राप्त करना सुनिश्चित करें और अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें।

हितग्राही से अपेक्षा की गई है कि वे उपचार के बाद फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें और हस्ताक्षर करें। यदि किसी स्तर पर अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है या किसी प्रकार की असुविधा होती है, तो हितग्राही को तुरंत हेल्पलाइन नंबर 14555 या च्क्तॠ मध्यप्रदेश हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर शिकायत दर्ज करायें। हितग्राही को चाहिए कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे आयुष्मान कार्ड, पात्रता पर्ची, आधार कार्ड, राशन कार्ड और समग्र आईडी अपने साथ रखें। अस्पताल पहुँचते ही आयुष्मान कियोस्क पर जाएं और आयुष्मान मित्र से अपनी पात्रता की पुष्टि करवाएं। यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल आपकी बीमारी से संबंधित स्पेशलिटी के लिए पैनल में शामिल है। पात्रता की पुष्टि होने के बाद नि:शुल्क उपचार प्रक्रिया को समझें और उसका पालन करें। डिस्चार्ज के समय निल (शून्य बकाया) राशि का बिल प्राप्त करें और फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें। साथ ही, अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें। हितग्राही को कभी भी आवश्यक दस्तावेजों को अस्पताल ले जाना नहीं भूलना चाहिए। नि:शुल्क उपचार के दौरान किसी भी परिस्थिति में अस्पताल को अतिरिक्त राशि का भुगतान न करें। यदि किसी विशेष परिस्थिति में राशि मांगी जाती है, तो उसकी उचित रसीद प्राप्त करना सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की असत्यापित जानकारी पर भरोसा न करें और किसी भ्रम की स्थिति में तुरंत आयुष्मान मित्र से संपर्क करें। फीडबैक फॉर्म को बिना पढ़े या अधूरी जानकारी के साथ हस्ताक्षर न करें। यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता हो, तो शिकायत दर्ज करने में देरी न करें।

कमिश्नर ने एवरेस्ट विजेता पर्वतारोही मेघा परमार को किया सम्मानित

रीवा। प्रसिद्ध पर्वतारोही मेघा परमार ने रीवा में नव वर्ष के अवसर पर आयोजित सद्भावना दौड़ में भाग लिया। कार्यक्रम के बाद सुश्री परमार ने कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर कमिश्नर बीएस जामोद से सौजन्य भेंट की। कमिश्नर श्री जामोद ने सुश्री परमार की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत और सम्मान किया। सुश्री परमार ने कमिश्नर श्री जामोद को एवरेस्ट गर्ल पुस्तक भेट की जो उनकी उपलब्धियों पर लिखी गई है। सुश्री परमार ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर तिरंगा लहराने के साथ विश्व के सभी महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटी पर भी तिरंगा फहराया है। सुश्री परमार ने सबसे कम समय में समुद्र की सर्वाधिक गहराई तक स्कूवा डाइविंग करके विश्व रिकार्ड भी कायम किया है। इस अवसर पर डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, अपर कमिश्नर नीतू माथुर, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी तथा संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे उपस्थित रहे।

आज जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन

स्पोर्ट्स काम्पलेक्स रीवा में होगा प्रारंभ

रीवा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालयए भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री की मंशानुसार पंच प्राण और आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान के उद्देश्य से 12 से 16 जनवरी 2025 के मध्य नई दिल्ली में 28वां राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जायेगा। जिसमें विज्ञान मेला एकल एवं समूहए समूह लोक नृत्य में 10 तथा समूह लोक नृत्य गायन ;चयन ट्रायलद्ध में 10ए कविताए लेखनए भाषणए पेंटिंग तथा कहानी लेखन में जिला स्तरीय मोबाइल फोटाग्राफी एवं विज्ञान मेला समूह में प्रतिभागियों को शामिल किया आयोजन खेल एवं युवा कल्याण नेहरू युवा केन्द्र एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन दिनांक 28.12.2024 को स्पोर्ट्स काम्पलेक्स रुतमूं में किया जायेगा। श्री एम के धौलपुरी, सभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला स्तरीय आयोजन में सभी विधाओं में युवक.युवतियां भाग ले सकेंगे। जिला स्तरीय आयोजन में सभी विधाओं के ;समूह लोक गायन एवं कहानी लेखन को छोडकरद्ध प्रथमए द्वितीय एवं तृतीय को नगद पुरस्कार दिया जायेगा।

घर बैठे बना सकते हैं बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड

मोबाइल फोन उठाइए, अपना आयुष्मान कार्ड बनाइए

रीवा। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। इसकी सहायता से एक वर्ष की अवधि में पाँच लाख रुपए तक के उपचार की सहायता दी जाती है। शासन द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके लिए आधार कार्ड में अंकित जन्मतिथि को आधार माना गया है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि जिले में 70 साल से अधिक आयु के एक लाख 45 हजार व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों, ग्राम पंचायतों तथा सभी अस्पतालों एवं संजीवनी केन्द्रों में शिविर लगाए जा रहे हैं। आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एएनएम तथा सीएचओ द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि घर बैठे भी आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा है। इसके लिए बस एन्ड्रायॅड फोन की आवश्यकता होगी। अपने फोन पर आयुष्मान एप डाउनलोड कर लें। इसमें निर्धारित विवरण दर्ज कर दें। आधार कार्ड और समग्र आईडी की जानकारी दर्ज करने के बाद दर्ज किए गए मोबाइल नम्बर पर ओटीपी आएगा। इसे दर्ज करने पर आयुष्मान कार्ड डाउनलोड हो जाएगा। यदि ओटीपी दर्ज करने के बाद किसी तरह का एरर दिखाई देता है तो पुनः क्लिक करके ओटीपी प्राप्त करें। इसमें पंजीयन होने के बाद आयुष्मान कार्ड जनरेट हो जाएगा। इसे आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 8 जनवरी को

रीवा। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 8 जनवरी को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल करेंगी। बैठक में गत बैठकों के निर्णयों के पालन प्रतिवेदन, स्थाई समितियों के प्रस्तावों, पीआईयू के निर्माण कार्यों की समीक्षा तथा कृषि आदान की समीक्षा की जाएगी। बैठक में उद्यानिकी विभाग, मछली पालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुर्वेद विभाग, पशुपालन विभाग तथा खनिज विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की जाएगी। प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सपना त्रिपाठी ने सामान्य सभा के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं पर लंबित प्रकरण तत्काल निराकृत करें : कमिश्नर

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण तत्काल निराकृत करें। मुख्यमंत्री जी प्रत्येक माह के अंतिम सोमवार को लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हैं। प्रकरणों के लंबित रहने पर अप्रिय स्थिति के लिए अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। इस माह की समाधान ऑनलाइन में थाने में एफआईआर न लिखने, नामांतरण एवं बंटवारे संबंधी राजस्व प्रकरण, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना तथा जाति प्रमाण पत्र जारी न करने के बिंदु शामिल हैं। समाधान ऑनलाइन में ऊर्जा विभाग से संबंधित बिजली न आने, वोल्टेज कम रहने और बिजली बिलों में सुधार, श्रम विभाग में असंगठित मजदूरों के लिए संबल योजना में पंजीयन, प्रधानमंत्री आवास योजना, गांव में साफ-सफाई और पानी निकासी की उचित व्यवस्था, समेकित छात्रवृत्ति वितरण तथा पिछड़ावर्ग विभाग द्वारा पोस्ट मैट्रिक एवं विदेश अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति के प्रकरण की समीक्षा की जाएगी। कमिश्नर ने कहा है कि समाधान ऑनलाइन में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों में स्वीकृत निर्माण कार्य पूरा कराने, नगरीय निकायों द्वारा सड़कों, गलियों और नालियों की साफ-सफाई, सहकारिता विभाग द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने तथा सहकारी बैंक से संबंधित विषय एवं जल संसाधन विभाग द्वारा नहर में अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की जाएगी। सभी कलेक्टर संबंधित अधिकारियों से लंबित प्रकरणों में कार्यवाही सुनिश्चित करके प्रकरणों का निराकरण कराएं। सभी अधिकारी विशेष प्रयास करके निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन के सभी प्रकरणों का निराकरण कराएं।

उप मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ का किया अभिषेक

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन किये। उन्होंने विधि-विधान से बाबा विश्वनाथ का सपरिवार पूजन एवं अभिषेक किया और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थना की। वाराणसी कैंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सौरभ श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सूवधा

अब रीवा (म.प्र.) के लाइफ केयर हॉस्पिटल में

लेज़र मशीन द्वारा

बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिसचुला (भगंदर), फिशर्स, पाइलोनाईडल सायनस एवं वेरिकोज वेन्स ऑपरेशन की सुविधा शुरू

लेजर फायदें

- अस्पताल में रहने की आवश्यकता नहीं
- ऑपरेशन के पश्चात कम से कम तकलीफ
- रक्तस्राव व दर्द कम एवं कम समय में ही अस्पताल से छुट्टी
- किसी भी पारंपरिक इलाज से बहुत प्रभावी एवं गुणकारी
- फिर से होने की संभावना सबसे कम
- कम से कम समय में काम पुनः शुरू कर सकते है

उपलब्ध सुविधाएँ

- आकस्मिक चिकित्सा इकाई
- गहन चिकित्सा
- खून जाँच एवं डिजिटल एक्स-रे केन्द्र
- दवाईयाँ
- प्रसूति कक्ष
- शल्य चिकित्सा कक्ष
- शल्य कियोत्तर कक्ष

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सुविधा

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.)

8435896118, 9630131919, 7898847200

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : **MP/SDL/DN/-30/2015-17**, दूरभाष : 09424315633,7389444833